दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ सच...
● नई दिल्ली।। गुरुवार 22 अगस्त -2024 ● वर्ष : 8 अंक : 312 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

बंगाल के राज्यपाल आनंद बोस ने पीड़िता के परिजनों से की मुलाकात

शुभेंदु अधिकारी ने मांगा ममता का इस्तीफा

नई दिल्ली। कोलकाता के आरजी कल मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स और छात्र बुधवार को विरोध मार्च निकाला। यह मार्च सीबीआई कार्यालय तक निकाला गया। हालांकि मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टर्स से हड़ताल वापस लेने का आग्रह किया था।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी की शिकार हुई मृतक महिला डॉक्टर के परिवार के सदस्यों से मिलने उत्तर 24 परगना पहुंचे।

सीएम ममता को पत्र लिखेंगे राज्यपाल बोस : वहीं मृतक महिला डॉक्टर के परिजनों से मुलाकात के बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि- मैं दिल्ली से सीधे यहां मृतक के माता-पिता से मिलने और उनकी भावनाओं को समझने आया हूं। उन्होंने मुझे कुछ बातें बताई हैं। मैं उन्हें अभी गोपनीय रखूंगा। मेरे पास जो जानकारी है, उसके आधार पर मैं आज एक पत्र लिखूंगा और उसे सीलबंद लिफाफे में मुख्यमंत्री को भेजूंगा।

मनोज तिवारी की डॉक्टरों से अपील : कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, डॉक्टर के साथ जो भयावह घटना हुई, उसके बाद हर कोई बहुत दुखी है, दुख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। मैं डॉक्टरों से अनुरोध करूंगा कि वे काम पर लौट आएं।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दरिंदगी पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने कहा, हम ममता बनर्जी का इस्तीफा चाहते हैं, उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए, उन्होंने अपनी विश्वसनीयता खो दी है।

आरक्षण को लेकर सुप्रीम फैसले पर विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने किया विरोध प्रदर्शन

गाजियाबाद में भारत बंद का दिखाई दिया मिला-जुला असर

वरिष्ठ संवाददाता

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। एक अगस्त को एससीएसटी वर्ग के आरक्षण में वर्गीकरण करने, क्रीमिलेयर लागू करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश का विभिन्न सामाजिक संगठनों ने विरोध किया। बसपा, आजाद समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी ने भी इस फैसले का विरोध किया। विभिन्न संगठनों ने भारत बंद का भी ऐलोन किया था। 21 अगस्त यानी बुधवार को गाजियाबाद में राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता एकत्र हुए। ये सभी लोग नवयुग मार्किट स्थित अम्बेडकर पार्क पहुंचे। यहां से इन सामाजिक संगठनों के कार्यकताओं ने पहले नवयुग मार्किट के अम्बेडकर पार्क में डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये और फिर उन्होंने पैदल ही कलैक्ट्रेट की ओर कूच किया। वहीं बहुजन समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने अपने आरडीसी स्थित कार्यालय से नारेबाजी करते हुए कलैक्ट्रेट की ओर कूच किया।

समाजवादी पार्टी के नेता पहुंचे। इसके अलावा डॉ बीआर अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति, डॉ बीआर अम्बेडकर सोशल फाउडेंशन, भीम आर्मी जयभीम, पंचशील जनहित सेवा समिति, डॉ अम्बेडकर प्रबुद्ध समिति, अखिल भारतीय डॉ अम्बेडकर अधिवक्ता काउंसिल, भीम आर्मी भारत एकता मिशन, डॉ अम्बेडकर समाज कल्याण समिति, युवा शक्ति दल, डॉ बीआर अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति, भारतीय मूलनिवासी संगठन सहित अन्य कई सामाजिक संगठन शामिल हुए। राजनीतिक दलों बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी, आजाद समाज पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। यहां पर सबसे खास बात ये थी कि अपनी बात को कहने जा रहे सभी दलों के कार्यकर्ता, सभी सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता अनुशासित रहे और कोई ऐसी बात नहीं हुई जिसमें पुलिस बलों को आगे आना पड़े। वहीं दूसरी तरफ भारत बंद का कोई खास असर नजर नहीं आया। सुबह 10 बजे से कार्यकर्ता अम्बेडकर पार्क में जुटना शुरू हो गये थे। 11 बजे तक कहीं कहीं दुकानें बंद दिखाई दी लेकिन उसके बाद बंद का कोई असर शहर में दिखाई नहीं दिया। पेट्रोल पम्प खुले नजर आये। बाजार रोजाना की तरह गुलजार थे और पुलिस फोर्स मुस्तैद थी। सभी ने कलैक्ट्रेट पर जाकर ज्ञापन सौंपे।

सभी फोटो : वरुण लाहोरिया

कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन | खुला था शहर

बसपा नेताओं ने किया प्रदर्शन और सौंपा राष्ट्रपति के नाम प्रेषित ज्ञापन

करंट क्राइम। बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता अपने आरडीसी स्थित कार्यालय में एकत्र हुए। यहां से जिला अध्यक्ष तथा पूर्व राज्यमंत्री दयाराम सेन, जिला प्रभारी रवि जाटव, जिला उपाध्यक्ष मनव्वर चौधरी तथा अन्य नेताओं के नेतृत्व में बसपा कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कलैक्ट्रेट की ओर रवाना हुए। यहां पर बसपा नेताओं ने राष्ट्रपति के नाम प्रेषित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा। बसपा के ज्ञापन में एक अगस्त को सुप्रीम कोर्ट की सात न्यायधीशों वाली संवैधानिक पीठ द्वारा दिये गये फैसले का जिक्र है। ज्ञापन में कहा गया है कि संवैधानिक पीठ ने देश में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के लोगों को पुन: उपवर्गीकृत किये जाने की मान्यता प्रदान की गई है। जिसको लेकर और भी बहुत सारी बातें कहीं गई हैं। इस निर्णय से हमारी पार्टी सहमत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1अगस्त 2024 से बीस वर्ष प्पूर्व दिये गये निर्णय 2004 में पांच न्यायाधीशों वाली संवैधानिक पीठ द्वारा पीवी चिल्लैया बनाम आंध्रप्रदेश राज्य में दिये गये फैसले को पलट दिया है। जिस आदेश में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति में किये जाने वाले वर्गीकरण को मान्यता देने से इंकार कर दिया था। बसपा ने अपने ज्ञापन में कई फैसलों का उल्लेख किया है और पांच पेज के इस ज्ञापन में इस फैसले से जुडे कई विषय रखे हैं। बसपा ने अपने ज्ञापन में राष्ट्रपति से यह मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के परिपेक्ष्य में संसद का विशेष सत्र बुलाकर पीठ द्वारा दिये गये निर्णय को निरस्त कराया जाये। आरक्षण के मूल स्वरूप को बहाल कराया जाये। और आरक्षण को संवैधानिक की नौं वी सूची में दाखिल किये जाये जिससे एससीएसटी के सभी वर्गों को न्याय मिल सके।

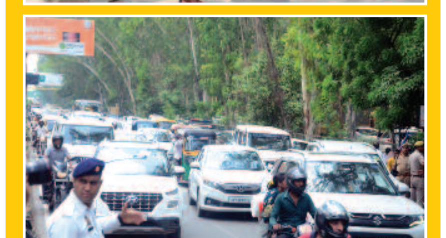

समाजवादी पार्टी ने दस सूत्रीय मांगों का फैसला वापस लेने की मांग की

करंट क्राइम। बुधवार को कोर्ट के फैसले के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने भी मोर्चा खोला। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कलैक्ट्रेट पहुंचे और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। सपा के जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन, महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव एडवोकेट कलैक्ट्रेट पहुंचे और यहां दस सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम प्रेषित ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में कहा गया है कि अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति आरक्षण मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने जो डायरेक्शन केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों को दिया है, यह डॉयरेक्शन असवैंधानिक है। इस डॉयरेक्शन में सरकारों को आरक्षण में वर्गीकरण व क्रीमीलेयर की व्यवस्था लागू करने के लिए कहा गया है। केन्द्र सरकार कानून बनाकर इस फैसले को रदद करे। सपा ने अपनी दस सूत्रीय मांगों में राज्य सभा व विधान परिषद में भी आरक्षण लागू करने की मांग की है। प्राईवेट सैक्टर में आरक्षण लागू करने की मांग की है। सपा ने अपने ज्ञापन में लेट्रल एन्ट्री खत्म करने या इसमें भी आरक्षण की मांग की है। जजों की

नियुक्ति में आरक्षण की मांग की है। इसके अलावा अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति आरक्षण को नवी अनुसूची में शामिल करने की मांग की है तथा ये मांग की है कि अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति आरक्षण आर्थिक आधार पर नहीं होना चाहिए। आरक्षण में क्रीमीलेयर व्यवस्था लगू नहीं होनी चाहिए तथा आरक्षण में वर्गीकरण की व्यवस्था भी लागू नहीं होनी चाहिए।

आजाद समाज पार्टी काशीराम ने चार मांगों के साथ सौंपा ज्ञापन

करंट क्राइम। आजाद समाज पार्टी काशीराम के नेता नारेबाजी करते हुए कलैक्ट्रेट आये। ये कार्यकर्ता अपने साथ ज्ञापन लेकर पहुंचे। चार सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

आजाद समाज पार्टी काशीराम ने अपने ज्ञापन की पहली मांग में जातिगत जनगणना कराये जाने की मांग की है। चंद्रशेखर आजाद सांसद की पार्टी के कार्यकताओं ने अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछडे वर्गों का आरक्षण कोटा सभी विभागों में पूरा करने की मांग की है। गैर सरकारी संस्थानों में भी आरक्षण लागू करने की मांग की है।

आजाद समाज पार्टी ने ये भी ऐलान किया कि यह आंदोलन का प्रथम चरण है और दूसरे चरण में 11 सितम्बर को दिल्ली में विशाल धरना प्रदर्शन होगा और यह आंदोलन जारी रहेगा। आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने अपने ज्ञापन में आरक्षण का कोटा पूरा करने की मांग की है और कहा है कि कोर्ट के आदेश से जहां अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजातियों को नुकसान होगा वहीं जातिगत आधार पर लोगों में बंटवारा होगा, द्वेषभावना होगी, फिर भी आरक्षण का पूरा लाभ इन जातियों को नहीं मिलेगा।

विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी किया प्रदर्शन और रखी अपनी मांगें

करंट क्राइम। बुधवार को जब आंदोलन का ऐलान हुआ तो कांग्रेस इस आंदोलन से दूर रही। आम आदमी पार्टी इस आंदोलन से दूर रही। लेकिन विभिन्न सामाजिक संगठन सामने आये। सभी संगठनों ने अपनी अपनी बात रखी। भारतीय मूल निवासी संगठन के कार्यकर्ता पहुंचे और यहां राष्ट्रीय महासचिव जोगेन्द्र सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम प्रेषित ज्ञापन सौंपा। सात सूत्रीय मांगों में जहां इस फैसले को वापस लेने की मांग है वहीं प्रमोशन में आरक्षण सम्बन्धी बिल पारित कराये जाने की मांग की है। उच्च न्यायपालिका में कालेजियम व्यवस्था समाप्त कर आईएएस की तरह आईजेएस की परीक्षा आयोजित कराने की मांग है। बिना परीक्षा लिये लेट्रेल एन्ट्री के माध्यम से किसी भी पद पर नियुक्ति बंद किये जाने की मांग है और जातिगत जनगणना कराये जाने की मांग है। युवा शक्ति दल ने जिला अध्यक्ष आशीष पाठक के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा और कहा कि 4 अगस्त और 10 अगस्त को बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दो बार प्रेस कांफ्रेंस कर

सरकार को चेताया। यह निर्णय पूरी तरह आपातकाल जैसा है जिससे देश के सभी एससीएसटी समुदाय में रोष है। युवा शक्तिदल ने कहा कि हम पूरी ईमानदारी और निष्ठा संविधान के प्रति रखते हैं और निर्णय के खिलाफ अध्यादेश लाने की मांग करते हैं। डॉ बीआर अम्बेडकर सोशल वैलफेयर फाउंडेशन ने भी कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। फाउंडेशन के बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के टवीट पर सहमति जताई और कहा कि केन्द्र सरकार जल्द ही इस निर्णय को निष्प्रभावी बनाने के लिए गंभीरतापूर्वक कदम उठाये। अखिल भारतीय डॉ अम्बेडकर अधिवक्ता काउंसिल के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया और राष्ट्रपति से अनुरोध किया गया कि देश के एससीएसटी वर्ग की भावनाओं देखते हुए केन्द्र सरकार को कहा जाये कि संसद में अध्यादेश लाकर इस आदेश को निरस्त कराया जाये। सम्पूर्ण देश में जातीय आधारित जनगणना करायी जाये। जिसकी जितनी जनसंख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी को भारतीय संविधान के तहत लागू किया जाये और भविष्य में एससीएसटी ओबीसी के आरक्षण में किसी का भी हस्तक्षेप भी किसी के भी द्वारा नहीं होना चाहिए। डॉ बीआर अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति नवयुग मार्किट के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। इस प्रदर्शन में आर एस सुमन, अमित कुमार, बबलू भारती, पूर्व पार्षद वीर सिंह, मनोज कुमार, राजेश कुमार शामिल हुए। फैसले का विरोध किया गया और राष्ट्रपति से अनुरोध किया गया कि इस फैसले को वापस लिया जाये। विजय नगर की भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिला संयोजक संजीव कुमार गौतम एडवोकेट के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। वहीं डॉ अम्बेडकर समाज कल्याण समिति विजय नगर के अध्यक्ष टीआर गौतम और महासचिव प्रेमचंद के नेतत्व में ज्ञापन सौंपा गया। पंचशील जनहित सेवा समिति के अध्यक्ष राम सिंह सिद्धार्थ के नेतृत्व में आरक्षण के विरोध में ज्ञापन सौंपा गया। भीम आर्मी जयभीम लोनी द्वारा भी ज्ञापन सौंपा गया। डॉ बीआर अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति नवयुग मार्किट के अध्यक्ष ललित दास, आरपी सिंह, पूनम बौद्ध, कृपाल सिंह द्वारा भी ज्ञापन सौंपा गया और सात सूत्रीय मांगों को रखा गया। जातिगत जनगणना कराये जाने की मांग के साथ निशुल्क एकसमान शिक्षा और चिकित्सा की व्यवस्था कराये जाने की मांग की गई।

यूपी में भारत बंद का असर: सपा-बसपा और भीम आर्मी के कार्यकर्ता उतरे सड़कों पर, हाईवे जाम, निकाला जुलूस

लखनऊ। आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले के खिलाफ दलित व आदिवासी संगठन देश भर में प्रदर्शन कर रहे हैं। यूपी में सपा, बसपा, कांग्रेस, आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसले को लेकर यूपी के अलग-अलग जिलों में सपा, बसपा, कांग्रेस और भीम आर्मी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे हैं और नारेबाजी कर रहे हैं। अंबेडकरनगर में युवाओं ने नेशनल हाईवे जाम कर दिया जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। बलरामपुर में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाला और नारेबाजी की।

वहीं, झांसी में प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कानून व्यवस्था को लेकर यूपी डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कंट्रोल रूम से खुद तैयारियों को परखा और बंद की आड़ में हिंसा करने की साजिश करने वाले असामाजिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटने का निर्देश दिया। डीजीपी ने बताया कि बंद को शांतिपूर्ण एवं प्रजातांत्रिक तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस मुस्तैद हैं। फिलहाल पूरे प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है और संगठनों के ज्ञापन अधिकारियों द्वारा लिए जा रहे हैं।

अंबेडकरनगर: बांदा नेशनल हाईवे जाम कर दिया आरक्षण में क्रीमी लेयर तय करने के फैसले पर प्रतिक्रिया के स्वरूप बड़ी तादाद में पहितीपुर बाजार के निकट युवक एकत्र हुए और टांडा से बांदा नेशनल हाईवे जाम कर दिया। इससे बड़ी तादाद में वाहन वहां फंस गए। इसमें एंबुलेंस के साथ ही स्कूली वाहन शामिल रहे। जाम की खबर पर अकबरपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और समझा बुझाकर जाम समाप्त कराया।

झांसी : भारत बंद के समर्थन में कलेक्ट्रेट पहुंचे कार्यकर्ता अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के हाल में आए फैसले को लेकर भारत बंद के आह्वन पर बसपा, कांग्रेस समेत अन्य दलों के कार्यकर्ता बुधवार को भारी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां सुरक्षा को देखते हुए भारी पुलिस फोर्स तैनात रहा। नवाबाद, कोतवाली, प्रेमनगर, सदर बाजार समेत कई थानों का फोर्स भी मौजूद रहा। कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट के अंदर पहुंचने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उनको बाहर ही रोक दिया। इस दौरान कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी भी की। उधर, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में दोपहर तक बंद बेअसर दिखाई पड़ा। महानगर के प्रमुख बाजार पूरी तरह खुले रहे। मानिक चौक, बड़ा बाजार, इलाइट, सीपरी बाजार समेत सदर बाजार में दुकानें खुली रहीं। यहां लोगों की भीड़ भी दिखाई पड़ी।

बलरामपुर: भारत बंद के समर्थन में भीम आर्मी के पदाधिकरियों ने निकाला जुलूस मांगों को लेकर नारेबाजी कर रहे कार्यकताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया। बहादुरपुर के पास भीम आर्मी के कार्यकर्ता एकजुट हुए। वहां से मांगों के समर्थन में कार्यकताओं ने जुलूस निकाला। भगवतीगंज से होते हुए जुलूस संतोषी माता मंदिर तिराहे के रास्ते से वीर विनय चौराहे से मेजर चौराहा तक निकाला गया। कार्यकताओं ने शहर का भ्रमण किया। बाद में मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। भारत बंद को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं।

अयोध्या: सपा, आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी ने किया प्रदर्शन अयोध्या में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ कई संगठनों ने प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी, आजाद समाज पार्टी व भीम आर्मी के प्रदर्शन को संभालने के लिए सिविल पुलिस के साथ सीआरपीएफ सड़क पर उतरी। सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह व सिटी मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा ने की रोकने की कोशिश की। समाजवादी पार्टी गुलाबबाड़ी से जुलूस लेकर शहर में निकली तो भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी ने कचहरी गेट पर प्रदर्शन किया। पुलिस व सीआरपीएफ ने बीच में ही रोका जुलूस। तीनों संगठनों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित सिटी मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा को सौपा ज्ञापन। संगठनों का दलित आरक्षण में छेड़छाड़ ना करने की मांग। आजाद समाज पार्टी ने कहा कि फैसला ना हुआ वापस तो दिल्ली में होगा आंदोलन।

सुल्तानपुर : भारत बंद का मिला जुला असर, दुकानदारों से उलझे भीम आर्मी के कार्यकर्ता

सुल्तानपुर में भारत बंद के आह्वान का मिला जुला असर रहा। शहर में अधिकांश दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठान खोले। आरक्षण का विरोध कर रहे दलित संगठनों व पार्टियों के कार्यकताओं ने दुकानें बंद कराने को लेकर नोकझोंक भी की। पुलिस वालों ने किसी तरह उन्हें शांत कराया। भीम आर्मी, बसपा सहित कई दलित संगठन व पार्टियों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बुधवार को आवास विकास कॉलोनी में इकट्ठा हुए। आरक्षण के विरोध में नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला गया जो बांसमंडी, कलेक्ट्रेट, दीवानी तिराहा, डीएम आवास होते हुए वापस कलेक्ट्रेट पहुंचा। इस बीच भीम आर्मी के कार्यकर्ता ज्यादा गुस्से में दिखे और दुकानें बंद कराने के लिए दुकानदारों को धमकाते नजर आए। जुलूस के साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने बीच बचाव किया, जिसके चलते विवाद बढ़ने नहीं पाया। उनकी इस हरकत से स्थानीय व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। एसपी सोमेन बर्मा ने बताया कि शांतिपूर्ण माहौल रहे, इसके लिए पर्याप्त पुलिस बल लगाया गया है। उपद्रव करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

आगरा: हाईअलर्ट मोड पर रही पुलिस

आगरा में आरक्षण के उपवर्गीकरण को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इसके विरोध में युवा सड़कों पर उतरे। इस दौरान हजारों की संख्या में दलित युवा हाथों में नीला झंडा लेकर प्रदर्शन किया। विरोध के दौरान भारत बंद का भी ऐलान किया गया था। भारत बंद को लेकर पुलिस हाई अलर्ट मोड पर रही। ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के टेढ़ी बगिया, पंचकुइया चौराहे सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं ने प्रदर्शन किया।

बरेली: बंद का आह्वान तो बेअसर, कई संगठनों के लोगों ने किया प्रदर्शन बरेली में 'भारत बंद' का आह्वान तो बेअसर दिखाई दिया, लेकिन आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी समेत तमाम संगठनों के लोगों ने सड़कों पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

सिपाही भर्ती पर भारत बंद का असर, प्रश्न पत्र ले जा रहे मजिस्ट्रेट को रोका, अभ्यर्थियों में आक्रोश

पटना। वैशाली में जिला आपूर्ति पदाधिकारी समर्थकों से अपील करती रहीं कि हमें दो परीक्षा केंद्रों पर जाना है। लेकिन, समर्थकों के द्वारा नहीं जाने दिया गया। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने भी लोगों को समझाने की कोशिश की लेकिन किसी ने एक न सुनी। भारत बंद का असर अब सिपाही भर्ती परीक्षा पर भी देखने को मिल रहा है। सुबह से कई जिलों में सिपाही अभ्यर्थी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। आवागमन बाधित होने के कारण वह समय पर परीक्षा केंद्र पर भी पहुंच नहीं पाए। इधर, वैशाली जिले के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के सादुल्लापुर में बंद समर्थकों द्वारा प्रश्न पत्र लेकर जा रहे मजिस्ट्रेट को रोक दिया गया। मजिस्ट्रेट ने काफी समझाने की कोशिश की लेकिन बंद समर्थकों ने उन्हें पत्र पेपर केंद्र पर नहीं ले जाने दिया।

आगजनी का पूरी तरीके से जाम कर दिया गया

बताया जा रहा है कि सिपाही भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र लेकर जिला आपूर्ति प्राधिकारी और वैशाली जिले के साइबर थाना अध्यक्ष के द्वारा दो परीक्षा केंद्रों पर लेकर जाना था। लेकिन, सादुल्लापुर में भारत बंद के समर्थकों के द्वारा बांस बल्ला सड़क को घेर कर पूरी तरीके से यातायात को ठप कर दिया गया। वहीं जिला आपूर्ति पदाधिकारी समर्थकों से अपील करती रहीं कि हमें दो परीक्षा केंद्रों पर जाना है। लेकिन, समर्थकों के द्वारा नहीं जाने दिया गया। जिसके बाद प्रश्न पत्र लेकर दूसरे रास्ते से परीक्षा केंद्र के लिए जिला आपूर्ति प्राधिकारी रवाना हुए। मौके पर गंगा ब्रिज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को दूसरे रास्ते से निकलकर परीक्षा केंद्र पर पहुंचाई वैशाली जिले में सुबह से ही तमाम स्टेट हाईवे एवं नेशनल हाईवे को भारत बंद के समर्थकों के द्वारा आगजनी का पूरी तरीके से जाम कर दिया गया है।

कई जिलों में परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों में आक्रोश है

इधर, नवादा, गया, भागलपुर, पूर्णिया और मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों में आक्रोश है। अभ्यर्थियों ने कहा कि बंद के चलते हमारे साथी जहां-तहां फंसे हुए हैं। केंद्रीय चयन पर्षद को आज की परीक्षा रद्द कर देनी चाहिए। हमलोगों को परीक्षा की तारीख आग बढ़ानी चाहिए। हमलोगों को अंदाजा नहीं था कि हालात ऐसे हो जाएंगे नहीं तो हमलोग एक दिन पहले यहां आ जाते।

न्यूज डायरी

आरक्षण के मुद्दे पर आंदोलन की जरूरत नहीं : मंत्री असीम अरुण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के मंत्री असीम अरुण ने बुधवार को आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भारत बंद को लेकर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि किसी प्रकार के बंद या आंदोलन की आवश्यकता नहीं है। असीम अरुण ने कहा कि आज बाबूजी की तीसरी पुण्यतिथि के मौके पर हम सब एकत्रित हो रहे हैं। बाबूजी ने सुशासन का जो मानक स्थापित किया था, वह भारतीय जनता पार्टी की सरकार में ही संभव था। आज हम सब उनके योगदान को याद कर रहे हैं। बाबूजी ने सबको साथ लेकर चलने का नारा दिया था और वे इसके अनुकरणीय नेता थे। उनके वचन और कर्म आज भी हमारे लिए अनुकरणीय हैं। विपक्षी दलों के भारत बंद को लेकर उन्होंने कहा कि किसी प्रकार के बंद या आंदोलन की कोई आवश्यकता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर केंद्रीय कैबिनेट फैसला ले चुका है और कोटा विदिन कोटा के मुद्दे पर विचार चल रहा है। जल्दी ही इसका भी फैसला होगा, किसी के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं किया जाएगा। बता दें कि आरक्षण के मुद्दे पर विपक्षी दलों ने देश भर में बुधवार को भारत बंद का ऐलान किया है। इस दौरान कई जगहों पर विरोध-प्रदर्शन देखने को मिला। स्कूल-कॉलेज बंद हैं, परिवहन सेवाएं प्रभावित हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार आरक्षण के मुद्दे पर अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रही है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि आरक्षण के मुद्दे पर फैसला लिया जाए और सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाए। प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए कुछ जगहों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें भी हुई हैं।

एमसीडी सदन में जोरदार हंगामा, भाजपा-कांग्रेस के पार्षद आपस में भिड़े, मेयर ने तीन को किया निलंबित

दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की सदन की बैठक में हंगामे के दौरान मेयर ने भाजपा के पार्षदों पर कार्रवाई की। तीन पार्षदों को तीन बैठकों के लिए निलंबित कर दिया है। दिल्ली नगर निगम की सदन की बैठक में दोबारा से हंगामा शुरू हो गया। हंगामे के दौरान दोबारा शुरू होते ही भाजपा और कांग्रेस के पार्षद हंगामा करने लगे। भाजपा के पार्षद शोक प्रस्ताव के बाद किए गए मोन के दौरान भी नारेबाजी करते रहे। इसके बाद मेयर ने हंगामा करने के कारण भाजपा के तीन पार्षदों को तीन बैठक के लिए निलंबित कर दिया। सदन में हंगामा होने के कारण मेयर ने 30 मिनट तक बैठक स्थापित कर दी।

विधानसभा चुनाव : अगले सप्ताह आ सकती है भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची

नई दिल्ली। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपने उम्मीदवारों की पहली सूची अगले सप्ताह जारी कर सकती है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, उम्मीदवारों के नाम पर विचार-विमर्श करने के लिए रविवार को पार्टी के केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हो सकती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता और पीएम मोदी की मौजूदगी में होने वाली केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाई जाएगी। बताया यह भी जा रहा है कि रविवार की बैठक में मुहर लगने के बाद भी पार्टी अपने उम्मीदवारों की पहली सूची इसके अगले दिन सोमवार को ही जारी करेगी। हालांकि, इसकी टाइमिंग को लेकर भी बैठक में ही तय किया जाएगा। अगर जम्मू कश्मीर के उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम मुहर बैठक में लग जाती है तो इसकी घोषणा रविवार को भी देर

रात तक की जा सकती है। इन दोनों राज्यों में कोर कमेटी और प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में हर विधानसभा सीट पर उम्मीदवारों के नाम का एक पैनल तैयार किया जाएगा। नामों के इस पैनल को पार्टी आलाकमान के पास दिल्ली भेजा जाएगा।

दिल्ली में जेपी नड्डा और अमित शाह हरियाणा और जम्मू कश्मीर प्रदेश कोर ग्रुप के नेताओं के साथ बैठक कर एक-एक सीट पर विचार करेंगे और फिर इस लिस्ट को अंतिम मंजूरी के लिए पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में रखा जाएगा।

महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर राजघाट पर 'आप' महिला विंग का प्रदर्शन

नई दिल्ली। कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले में देश भर में प्रदर्शन का दौर जारी है। इस बीच बुधवार को आम आदमी पार्टी की महिला विंग ने देश भर में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध को लेकर राजघाट पर प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी की महिला विंग की कार्यकताओं ने बुधवार को राजघाट पहुंचकर विरोध-प्रदर्शन किया और महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। महिला विंग की कार्यकताओं की मांग है कि बलात्कार पीड़िताओं के साथ इंसाफ किया जाए। प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में महिला विंग की कार्यकर्ता मौजूद रहीं। आम आदमी पार्टी की महिला विंग की कार्यकताओं का कहना है कि कोलकाता समेत देशभर में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार और बलात्कार की घटनाओं के खिलाफ हम एकजुट हुए हैं। हम चाहते हैं कि पीड़िताओं को इंसाफ मिले। इस प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी की महिला मोर्चा की अध्यक्ष सारिका चौधरी के साथ विधायक प्रीति

जितेंद्र तोमर, धनवती चंदेला समेत तमाम महिला पार्षद और कार्यकर्ता मौजूद रहीं। सारिका चौधरी ने कहा कि कोलकाता और देश भर में महिलाओं के साथ हो रही घटनाएं बेहद शर्मनाक हैं। हमारी मांग है कि सभी बलात्कार पीड़ितों को इंसाफ मिले। उल्लेखनीय है कि कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के बाद से देशभर में प्रदर्शन जारी है। कई अस्पतालों में इमरजेंसी सेवा को छोड़कर अन्य सेवा बाधित है। डॉक्टरों की मांग है कि उनकी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं।

जम्मू विधानसभा चुनाव के लिए 'अपनी पार्टी' ने जारी किया घोषणा पत्र

जम्मू । पार्टी ने सत्ता में आने के बाद स्थानीय युवाओं के लिए भूमि और नौकरी की सुरक्षा के लिए संवैधानिक गारंटी सुनिश्चित करने का दावा किया है। अपनी पार्टी ने दावा किया है कि राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए अथक प्रयास करेंगे। श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी ने चुनावी घोषणापत्र जारी किया है। पार्टी मुख्यालय में पार्टी का चुनावी घोषणापत्र जारी करने के बाद पार्टी के महासचिव मोहम्मद रफी मीर ने मीडिया को संबोधित किया।

पार्टी ने सत्ता में आने के बाद स्थानीय युवाओं के लिए भूमि और नौकरी की सुरक्षा के लिए संवैधानिक गारंटी सुनिश्चित करने का दावा किया है। अपनी पार्टी ने दावा किया है कि राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए अथक प्रयास करेंगे, साथ ही अपनी पार्टी जम्मू और कश्मीर की संस्कृति और विशेष पहचान को संरक्षित करने के लिए संवैधानिक गारंटी देगी, कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में अनुच्छेद 371 के प्रावधानों के समान। इसमें भूमि और नौकरी की सुरक्षा शामिल है। पढ़ें घोषणापत्र की मुख्य बातें।

ये हैं अपनी पार्टी के घोषणापत्र की मुख्य बातें

भूमि और नौकरी की सुरक्षा: स्थानीय युवाओं के लिए भूमि और नौकरी की सुरक्षा के लिए संवैधानिक गारंटी सुनिश्चित करने का दावा।

राज्य का दर्जा बहाल करना: अपनी पार्टी ने दावा किया है कि राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए अथक प्रयास करेंगे

सांस्कृतिक और पहचान संरक्षण : अपनी पार्टी जम्मू और कश्मीर की संस्कृति और विशेष पहचान को संरक्षित करने के लिए संवैधानिक गारंटी देगी, कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में अनुच्छेद 371 के प्रावधानों के समान। इसमें भूमि और नौकरी की सुरक्षा शामिल है।

द्विसदनीय विधायिका : राज्य का दर्जा बहाल होने पर एक द्विसदनीय विधायिका की बहाली की जोरदार मांग करेंगे, जिसमें एक विधानमंडल और कश्मीर दोनों शामिल होंगे, कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में अनुच्छेद 371 के प्रावधानों के समान। इसमें भूमि और नौकरी की सुरक्षा शामिल है, जो लोगों की हानि की भावना को संबोधित करती है।

पुरानी पेंशन योजना: पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग की समीक्षा के लिए एक समिति स्थापित की जाएगी।

सिख समुदाय का दर्जा: अपनी पार्टी केंद्र शासित प्रदेश में सिख समुदाय के लिए अल्पसंख्यक का दर्जा सुनिश्चित करेगी।

बिजली आपूर्ति : सर्दियों के दौरान कश्मीर और गर्मियों के दौरान जम्मू में बिजली की आपूर्ति गंभीर रूप से प्रभावित होती है। अपनी पार्टी सर्दियों (अक्टूबर से मार्च) के दौरान कश्मीर में और गर्मियों (अप्रैल से सितंबर) के दौरान जम्मू में प्रति घर प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध कराएगी।

जलविद्युत परियोजना हस्तांतरण: एनएचपीसी द्वारा संचालित जलविद्युत परियोजनाओं को जम्मू और कश्मीर में स्थानांतरित करने की मांग करेंगे, जो वर्तमान में चिनाब नदी के पानी का उपयोग करके बिजली पैदा कर रही हैं। इससे स्थानीय स्तर पर पूर्ण बिजली उत्पादन उपलब्ध कराकर बिजली की खराब स्थिति को दूर किया जा सकेगा।

दरबार मूव: अपनी पार्टी दरबार मूव की प्रथा को बहाल करने के लिए काम करेगी।

नौकरी रिक्तियों को भरना: अपनी पार्टी सत्ता में आने के छह महीने के भीतर फास्ट-ट्रैक प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी विभागों में रिक्त पदों को भरेगी। स्थिति सामान्य होने के साथ अपनी पार्टी जघन्य अपराधों में शामिल नहीं होने वाले बंदियों की शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। 2016 की गर्मियों में हिरासत में लिए गए किशोरों, जो अब वयस्क हैं, के खिलाफ मामले भी वापस लिए जाएंगे ताकि वे बिना किसी बाधा के सरकारी नौकरी कर सकें। सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत जेलों में बंद लोगों के मामलों की समीक्षा और निपटान के लिए एक फास्ट-ट्रैक बोर्ड की स्थापना सुनिश्चित करेंगे, भले ही उनकी कारावास की अवधि समाप्त हो गई हो। अपनी पार्टी सभी बंदियों के लिए एकमुश्त माफी सुनिश्चित करेगी, जिसकी अंतिम तिथि अदालत से सत्यापित हलफनामा प्रस्तुत करने पर अगस्त 2024 तक होगी।

त्रिपुरा में 7 की मौत, 2 लापता, 5600 परिवार राहत कैंपों में रह रहे, 18 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश में भारी तो कहीं मध्यम स्तर की बारिश जारी है। मानसून सीजन आधा बीतने के बाद भी कई इलाकों में गर्मी-उमस है। मौसम विभाग (क्टऊ) ने बुधवार (21 अगस्त) को 18 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में भारी बारिश के चलते 7 लोगों की मौत हो गई, 2 लापता हैं। 5600 परिवार राहत शिविरों में रह रहे हैं। राहत और बचाव के प्रयास जारी हैं। इधर, राजस्थान में तेज बारिश का दौर फिर शुरू हो गया है जो तीन दिनों तक जारी रहेगा। मध्य प्रदेश में भी तेज बारिश से कालीसिंध, चंबल समेत अन्य नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। इससे राजस्थान ने इन नदियों पर बने बांधों से पानी छोड़ना शुरू कर दिया है।

वहीं, हिमाचल प्रदेश के 8 जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। सिक्किम के बालूतार में भारी भूस्खलन की चपेट में आकर ठल्ढढ के तीस्ता

स्टेज 5 बांध पर 510 मेगावाट का पावर स्टेशन तबाह हो गया। इलाके में लगातार हो रहे भूस्खलन की वजह से कुछ दिन पहले ही इसे खाली करवा लिया गया था। अक्टूबर 2023 में एक हिमनद झील फटने के बाद आई बाढ़ में स्टेशन को काफी नुकसान पहुंचा था, जिसके बाद इसमें काम बंद कर दिया गया था।

यूपी में अब तक 10% कम बारिश

उत्तर प्रदेश: राज्य में 19 अगस्त तक 53 जिलों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है। वहीं, 22 जिलों में सामान्य और सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। मौसम विभाग ने 23 अगस्त तक का पूवार्नुमान जारी किया है। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तेज बारिश की संभावना है। अभी तक प्रदेश में सामान्य से 10% कम बारिश हुई है।

दिल्ली: एक हफ्ते बाद यहां मंगलवार को तेज बारिश हुई। दिल्ली रिज इलाके में 72.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश के चलते कई इलाकों में काफी पानी भर गया।

दक्षिणी राज्यों में बारिश: तेलंगाना के हैदराबाद, मलकाजगिरी, खम्मम, नागरकुर्नूल, नलगोंडा, निजामाबाद, रंगारेड्डी और सिद्दीपेट में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने 21 अगस्त को भी कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, मौसम विभाग ने केरल के 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट (6 से 20 सेमी तक बारिश) जारी किया है।

सचिवालय के बाहर कर्मचारियों का हल्ला बोल

शिमला। हिमाचल प्रदेश में डीए और छठे वेतनमान का संशोधित एरियर न मिलने से कर्मचारियों में रोष पनपा है। बुधवार को हिमाचल प्रदेश सचिवालय सेवा परिसंघ ने सचिवालय के आर्म्सडेल भवन के प्रांगण में हल्ला बोला। हिमाचल प्रदेश में डीए और छठे वेतनमान का संशोधित एरियर न मिलने से कर्मचारियों में रोष पनपा है। बुधवार को हिमाचल प्रदेश सचिवालय सेवा परिसंघ ने सचिवालय के आर्म्सडेल भवन के प्रांगण में हल्ला बोला। हिमाचल प्रदेश सचिवालय सेवा परिसंघ के चेयरमैन संजीव शर्मा ने कहा कि सचिवालय में करीब 750 पद खाली पड़े हैं और पे-फिक्सेशन नहीं हो रही है। कॉन्ट्रेक्ट पीरियड की रिवाइज्ड सिनीयोरिटी लिस्ट नहीं निकल रही है। डीए-एरियर और पे स्केल एरियर सबसे बड़ा मुद्दा है और पे-एरियर के नाम पर पूर्व सरकार के समय केवल 50 हजार रुपये मिले थे। हिमाचल प्रदेश सचिवालय सेवा परिसंघ के चेयरमैन संजीव शर्मा ने कहा कि जो भी कर्मचारी अभी तक कर्मचारी को एरियर बिल्कुल नहीं मिला है सिर्फ 50 हजार रुपए मिला है। हर कर्मचारी को एरियर जो की पिछली सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री माननीय जयराम ने दिया था। मैं आपको बता देना चाहता हूं कि पहले जो पीरियड है एक मुश्त दिया जाता था। मुझे याद है 1986 का जब पे स्केल मिला था उसका जब एरियर मिला था लोगों को वो दो दो, तीन 3 लाख मिला था। उस वक्त क्या लोग करते थे इंतजार करते थे कि जब एरियर मिलेगा तो लोगों ने पहले ही प्लानिंग बना रखी होती थी। इस बार के एरियर से हम प्लॉट लेंगे। कोई सोचता था कि हम मकान बनाएंगे, कोई अपनी बेटी की शादी करेंगे करेंगे। कोई सोचता था हम बेटे की शादी करेंगे। संजीव शर्मा ने कहा कि इस एरियर का इंतजार रहता था, लेकिन और आपको ये भी बता दें शिमला में 10 हजार से 15000 कर्मचारी हैं जिनके यहां अपने मकान

हैं जो पूरे प्रदेश के लोग यहां पर रहते हैं। ये प्लॉट उन्होंने तब लिए थे जब 1986 में सर्वप्रथम पे स्केल एरियर मिला था। उसके बाद 1996 में एरियर किस्तों में दिया। तब भी कर्मचारियों ने कुछ नहीं दिया। 2006 में भी एरियर मिला वो भी किस्तों में मिला, लेकिन 2016 का एरियर मिला ही नहीं। सिर्फ 50 हजार रुपये मिले हैं। संजीव शर्मा ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री ने एक बार फरमान जारी किए थे कि जो एरियर है इसको जीरो पॉइंट जीरो टू फाइव के हिसाब से दिया था। यानी कि जो एरियर है ये हमें 32 साल में मिलना था तो मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय से मिला। मैंने कहा साहब ये जो एरियर है ना ये हमारे को 32 साल में मिलेगा। 32 साल में कौन रहेगा। इसको तो मैं कहा आपने हमारे को नहीं दिया इस को तो लगता है आपने मेरे पोते के दोतों को दिया है। इसी तरह उन्होंने एक एरियर भी दिया था। जो डीए हमारा ड्यू था वो था 1-07 -2022 से तो वो एरियर भी हमारे को पांच साल में मिलना था।

दैनिक करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली।। गुरुवार 22 अगस्त-2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

क्या पहलवान की पोस्ट के बाद सुलग रही है बिरादरी वाली आग

पोस्ट डालकर संजीव शर्मा को क्यों कहना पड़ा जय महाराणा प्रताप

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बीते दिनों ठाकुर समाज ने लाईन पार क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकाली। ये तिरंगा यात्रा सिक्के के एक पहलू में भाजपाई थी और दूसरी तरफ में ठकुराई थी। इस तिरंगा यात्रा में भाजपा की ओर से पार्षद शामिल हुए और बिरादरी के पहलू से देखें तो लाइन के उस पार से आकर सरदार सिंह भाटी, भानू सिसौदिया जैसे चेहरे शामिल हुए। इसमें भाजपा के लोग भी थे और क्षत्रिय समाज के भी लोग थे। तिरंगा यात्रा निकली झंडे लहराये लेकिन इस तिरंगा यात्रा में मोड तब आ गया जब भाजपा के महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान की एक पोस्ट फेसबुक पर आई।

पहलवान ने अपनी पोस्ट में कुछ शब्द लिखे और इन शब्दों का क्षत्रिय समाज के लोगों ने दिल पर ले लिया। फेसबुक वाले शब्दों को लेकर फेस पर तनाव आ गया और थोड़ी देर में ही पोस्ट पर प्रतिक्रियाओं का सैलाब आ गया। हालांकि पोस्ट डालने वाले महामंत्री पप्पू पहलवान ने यह स्पष्ट किया कि उनका आशय तिरंगा यात्रा को लेकर नहीं था और उन्होंने यह पोस्ट कांग्रेस के किसी कार्यक्रम को टारगेट करते हुए डाली थी लेकिन इसे गलत लिया गया है। इसे लेकर संजीव शर्मा ने अपने व्यक्तित्व का परिचय दिया। उन्होंन कार्यकर्ता परिवार की बात कही, समन्वय की बात की और फिर पप्पू पहलवान ने भी अपनी उस पोस्ट को डिलीट कर दिया। लेकिन सूत्र बताते हैं कि जो आग बाहर से बुझी दिखाई दे रही है वह बुझी नहीं है और पहलवान की पोस्ट के बाद भले ही पोस्ट डिलीट हो गई हो लेकिन स्क्रीनशॉट तो सभी के पास है और आग सुगल रही है। भले ही संजीव शर्मा ने ये कहा कि वो सभी बिरादरियों का सम्मान करते हैं और उन्होंने अपनी बात को और अधिक पुख्ता ढंग से रखा और बुधवार को ये लिखा कि मैंने हमेशा सभी जाति बिरादरी का सम्मान किया है महाराणा प्रताप की जय। संजीव शर्मा ने भले ही यह कहा हो लेकिन सवाल यह है कि उन्हें जय क्यों बोलनी पड़ी है। वो कौन सी आग है जो सुलग रही है। जबकि बड़ी बात ये है कि जिस पोस्ट को लेकर विवाद है वो पोस्ट भी संजीव शर्मा ने खुद नहीं डाली है लेकिन एक वर्ग इस बात को तूल दे रहा है।

चुनाव के माहौल में बना रही है एक लॉबी माहौल

करंट क्राइम। बात इतनी विकट नहीं है लेकिन इसे विकट बनाया जा रहा है। भाजपा की एक लॉबी इसे सीधे सीधे चुनावी दावेदारी से जोड रही है। ये लॉबी ये मान रही है कि सबसे पहली बात तो ये कि जब अभियान 15 अगस्त को समाप्त हो गया तो 15 अगस्त के बार ये तिरंगा यात्रा क्यों निकाली जा रही है। पार्टी का कोई अभियान नहीं था और वो इसका कनैक्शन शहर विधानसभा के बाई इलैक्शन से जोड रहे हैं। इस लॉबी का मानना है कि ठाकुर समाज के कुछ भगवा चेहरे इस माहौल बनाकर इस बात को बिरादरी के प्लेटफार्म पर ले जा रहे है। उन्हें ये मुददा मिला है। भाजपा की लॉबी ये मान रही है कि चुनाव पास नहीं होता तो यह कोई मुद्दा नहीं होता। लेकिन तिरंगा यात्रा से ठाकुरों को जोडकर और फिर ठाकुरों को पोस्ट से जोडकर पूरा माहौल बनाया जा रहा है।

23 अगस्त को हिंदी भवन में मुख्यमंत्री करेंगे चुनाव तैयारी को लेकर समीक्षा

कोर कमेटी और शहर विधानसभा से जुड़े पदाधिकारी ही होंगे इस बैठक में अपेक्षित

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 अगस्त को गाजियाबाद आ रहे हैं। वो हिंदी भवन में शहर विधानसभा उपचुनाव भाजपा तैयारियों को लेकर समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री की ये बैठक संगठन की दृष्टि से है और इस बैठक में केवल शहर विधानसभा से जुड़े पदाधिकारी ही शामिल होंग। इसके अलावा महानगर टीम के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। कोर कमेटी के सदस्य शामिल रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यह बैठक हिंदी भवन सभागार में होगी। इस बैठक में शहर विधानसभा क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, शक्तिकेन्द्र संयोजक मौजूद रहेंगे। इसके अलावा शहर विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले क्षेत्रीय पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। महानगर की टीम के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा जो लोग इस बैठक में अपेक्षित होंगे उनकी सूची तैयार हो रही है। मुख्यमंत्री अपनी इस बैठक में शहर विंधानसभा में होने वाले उपचुनाव को लेकर भाजपा संगठन की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। पार्टी की चुनावी रणनीति को लेकर बैठक होनी है और इस बैठक में एन्ट्री पास के द्वारा होगी। बैठक में कोर कमेटी के साथ चर्चा होगी और ये माना जा रहा है कि चुनावी तैयारियों के साथ साथ उम्मीदवारी वाले चेहरों पर भी चर्चा हो सकती है।

ये होगी गोपनीय बैठक मीडिया के लिए डोर रहेंगे क्लोज

करंट क्राइम। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 अगस्त को हिंदी भवन सभागार में शहर विधानसभा उपचुनाव को लेकर बैठक करेंगे। इस बैठक में कोर समिति के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। महानगर टीम के पदाध्किारी मौजूद रहेंगे और शहर विधानसभा क्षेत्र में आने वाले मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी मौजूद रहेंगे। सूत्र बता रहे हैं अभी बैठक का समय तय नहीं हुआ है कि यह तय हो गया है कि इस बैठक से मीडिया को भी दूर रखा जायेगा और भाजपा के जो अन्य पदाधिकारी इस बैठक में भाग लेने के लिए अपेक्षित नहीं है उनका भी प्रवेश हिंदी भवन सभागार में नहीं हो सकेगा। सूत्र बताते हैं कि यहां मीडिया के लिए भी एन्ट्री डोर क्लोज रहेगें। क्योंकि ये बताया गया है कि ये पार्टी की गोपनीय बैठक है लिहाजा बैठक से पहले और बैठक के बाद भी योगी आदित्यनाथ यहां मीडिया से रूबरू नहीं होंगे। अंदर जब बैठक चलेगी तो मीडिया के लिए संभवत एन्ट्री नहीं होगी।

क्रान्तिकारी विधायक का दिखाई देगा वकीलाना अंदाज

पिंकी चौधरी का मुकदमा लड़ेंगे विधायक नन्द किशोर गुर्जर एडवोकेट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोनी की धरा को क्रान्तिकारी कहा जाता है और इस क्रान्ति की काफी हवा लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर के यहां से भी बहती है। वो हल्दीघाटी की मिट्टी लाते हैं और क्षेत्र में छिडकाव करते हैं। वो कई मन देशी घी से अभिषेक करते हैं और शत्रु नाश के लिए हवन करते हैं। लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर का अंदाज लोनी को चचाओं में रखता है। वो हिंदुत्व का एक ऐसा फायर ब्रांड नाम माने जाते हैं जो शब्दों की मयार्दा में रहकर बड़ा संदेश देना जानते हैं। एक बार फिर लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर अपने नए अंदाज में सामने आये हैं। विधायक नन्द किशोर गुर्जर का वकीलाना अंदाज सामने आया है। उन्होंने जेल में बंद हिंदु रक्षक बल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी का मुकदमा लड़ने का ऐलान किया है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में हो रहे नर संहार की प्रतिक्रिया के फलस्वरूप हिंदु रक्षक बल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने गुलधर की झुग्गियों में रहने वाले लोगें से मारपीट की थी। इस मारपीट का वीडियो वायरल हुआ था और उसके बाद पुलिस ने पिंकी चौधरी को गिरफ्तार कर लिया था। पिंकी चौधरी को जेल भेजा गया था और वो तभी से जेल में बंद हैं। इस मुद्दे पर जहां भाजपा के अन्य नेता खामोश हैं वहीं लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर खुलकर सामने आये और उन्होंने दैनिक करंट काइम से हिंदु रक्षक बल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी के मुकदमा लडने का ऐलान किया। विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने कहा कि वह पेशे से अधिवक्तार हैं गाजियाबाद एसोसिएशन के सदस्य हैं और मैं अधिवक्ता होने के नाते हिंदु रक्षक बल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी का मुकदमा लडूंगा। उन्होंने कहा कि पिंकी चौधरी ने जो कुछ कहा और किया मैं उसका राजनीतिक तौर पर समर्थन नहीं करता हूं। मैं पिंकी चौधरी की सभी बातों से सहमत नहीं हूं। लेकिन मेरा यह मानना है कि कार्यवाही का आधार कानूनी धाराएं होनी चाहिए और पिंकी चौधरी को लेकर पुलिस प्रशासन कुछ ज्यादा ही सख्त हो गया है। उन्होंने कोई इतना बड़ा अपराध नहीं किया जिस तरह से उन पर धाराएं लगायी गई है, मुकदमें दर्ज किये गये हैं। लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने अब ये ऐलान किया है कि वो पिंकी चौधरी का मुकदमा लड़ेंगे। विधायक के ऐलान के बाद अब मामले में नया मोड आ सकता है और ये भी देखना रोचक रहेगा कि वकालतनामा कितने दिन में तैयार होता है। पिंकी चौधरी का कोई पैरोकार कब अधिवक्ता नन्द किशोर गुर्जर से सम्पर्क करता है।

आज कलैक्ट्रेट कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर देंगे धरना

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। कलैक्ट्रेट कर्मचारी आज अपनी मांगों को लेकर सामुहिक अवकाश ले सकते है। उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रीयल कलैक्ट्रेट कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष सतेन्द्र कुमार और सचिव सुमित ठाकुर ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रीयल कलैक्ट्रेट कर्मचारी संघ कलैक्ट्रेट के कर्मचारियों की 22 सूत्रीय मांगों के प्रति बढ़ती जा रही उदासीनता के कारण आंदोलन करने को मजबूर है। इन मांगों को लेकर 22 अगस्त को प्रदेश के सभी जनपदों में सभी कर्मचारी एक दिन का सामुहिक अवकाश लेकर एक दिवसीय कार्य बहिष्कार करते हुए कलैक्ट्रेट मुख्यालय पर धरना देंगे।

इसके बाद संघ के जिलाध्यक्ष और जिला मंत्री 22 सूत्रीय मांगों की पूर्ति हेतु मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन देंगे। आज होने वाले प्रदर्शन में कलैक्ट्रेट और तहसील के समस्त मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी शामिल होंगे।

शॉपिंग करने गई युवती से थार सवारों ने की छेड़छाड़, दोनों पकड़े

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कविनगर क्षेत्र की सी-ब्लॉक मार्केट में मंगलवार रात शॉपिंग करने गई युवती से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। थार कार सवार दो युवकों ने युवती पर अश्लील टिप्पणी की।

इसके बाद उनका पीछा कर छेड़छाड़ भी की। किसी तरह वहां से निकलकर युवती ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और कार सीज कर दी।

एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि युवती ने शिकायत दी कि वह मंगलवार शाम को खरीददारी के लिए गई थी। उसी दौरान एक गाड़ी सवार कुछ युवकों के द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया और छेड़छाड़ की।

एसीपी ने बताया कि गाड़ी की पहचान हो गई है। दोनों युवकों सिद्धार्थ व आयुष को गिरफ्तार कर लिया गया है। कार को सीज कर दिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि घटी कुछ ऐसी घटना, इलाका था पटना? हम गर्ग साहब का जलवा देखकर हो रहे थे गुलजार? हमने देखा जबसे वो सांसद बने हैं, तब से ऊंचा हो रहा है उनका मयार? पार्टी के कार्यक्रम में वो थे मंच पर बड़े चेहरों के सामने मौजूद? मंच के सामने भी कई बड़े चेहरे बैठे थे जिसे हम देख रहे थे खूब? मौके पर स्थितियां कर रहीं थी सबकुछ स्पष्ट? बहुत ज्यादा बढ़ गया है पार्टी में गर्ग साहब का कद?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारे मन में जनरली साहब को लेकर जज्बात? हम हैं उनके फोलोवर, ये जान लो आप? मगर आए दिन हम करते हैं उनकी कमी महसूस? उनकी गाजियाबाद में कम उपस्थिति घटाती है हमारा वजूद? हमारी साहब को है सिर्फ एक ही राय? कम से कम हफ्ते में एक बार वो गाजियाबाद जरूर आयें? उनके आने से बढ़ेगा उनके समर्थकों में बल? साहब को कैसे ना कैसे निकालना चाहिए अपने ब्लाईंड सपोटर की समस्या का हल?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि लाईनपार में जो निकला था ठाकुर भाईयों का तिरंगा वाला जुलुस? उस जुलुस के बाद सोशल मीडिया पर लिखे गये कुछ शब्दों ने लगा दी है बिरादरी वालों के दिलों में आग? इस आग की लपटें साहिबाबाद में भी उठीं हैं? इस बात को कह रहे थे भाटी भाईसाहब? कह रहे थे कहने वाले ने कर दिया है कुछ ज्यादा ही शब्दों का सितम? सच बता रहे हैं अब हमारा कुछ हो या ना हो? हम भी डूबेंगे और उनको भी डुबों देंगे सनम?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको बता रहा हूं सोलह आने सच बात? भगवा राईटिंग राज नहीं उठा सकते किसी भी सूरत में अबकी बार लाईन पार की आवाज? वो जानते हैं कि अगर उन्होंने लिया इस आवाज को उठाने का रिस्क? तो फिर खिसक जायेगी उनके प्रिय शर्मा जी की दावेदारी की डिस्क? इसलिए वो इस आवाज में नहीं मिलायेंगे अपनी आवाज? वो अपने प्रिय शर्मा जी के लिए कई बॉर्डर पार कर सकते है? फिर लाईन पार क्या है साहब?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम बता रहे हैं जिन्होंने निकाली है लाईन पार में तिरंगा यात्रा? उसमें से कोई भी नहीं है विधानसभा का दावेदार? इस यात्रा को पर्दे के पीछे किया है किसी और ने तैयार? इस यात्रा के पीछे हैं दिल्ली से जुड़े हुए दावेदार? वो इस यात्रा के बहाने अपना माहौल बना रहे हैं? जो तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं उनको है इस बात की पूरी जानकारी? बस वो खुद को दावेदार बताकर कर रहे हैं किसी ओर को विधायक बनाने की तैयारी?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि इस बार फिर नहीं दिख रहे हैं भगवा गोयल के प्रति साहब के जज्बात? शायद इस बात की जानकारी मिस्टर गोयल को भी है साहब? सुना है साहब उपचुनाव वाली दौड़ में पंजाबी चेहरे को कर रहे हैं फेवर? सबकुछ बड़ी खामोशी से चल रहा है? इसलिए पैरोकारी के दिखाई नहीं दे रहे हैं तेवर? अब कैसे पकड़ेंगे गोयल साहब उम्मीदों की फ्लाईट? एक को दे दिया है गुडगांव का एयरपोर्ट एक्जिट? दूसरे को इंतजार करने के लिए दे दिया है निमार्णाधीन एयरपोर्ट जेवर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि अगर आप भगवागढ़ के चार महामंत्रियों की सक्रियता पर करोगे गौर? तो यहां पर भगवा कमांडर के साथ हर जगह गोपाल भैया नजर आयेंगे 100 परसेंट श्योर? कहने वाले ने कहा कि गोपाल भैया इस सक्रियता के बूते खामोशी से कर रहे हैं दो तैयारी? एक तो उनके दिल में है वैश्य कोटे पर उपचुनाव लड़ने का ख्वाब? दूसरा वो कर रहे हैं अगला महानगर अध्यक्ष बनने की तैयारी? बस वो खुलकर प्रकट नहीं कर रहे हैं अपने अरमान मगर उनके खास चेहरों को पता है उनका प्लान?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि कुछ इसी अदा में चोटी वाले त्यागी जी भी रहे हैं अपने टारगेट को दाग? वो भी अब गोपाल भैया की तरह कमांडर के साथ उतने ही एक्टिव नजर आ रहे हैं जैसे निकल रही हो ज्वालामुखी से आग? हालांकि त्यागी जी के गोपाल भैया से कम है अरमान? उनका तो है बस अगला महानमंत्री बनने पर ध्यान? वैसे भी जब से चुटिया वाले भैया आयें हैं दोनों दोस्तो के नजदीक? तब से उनके ऑर्बिट से कई त्यागी चेहरे दूर हो गये हैं? उठा कर देख लो हाल फिलहाल की तस्वीरें, सही निकलेगी आपकी तस्दीक?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं वैसे ही बैठे बैठे कर रहा था ख्याल? मेरे दिल में उठा पूर्व महामंत्री अग्रवाल जी को लेकर सवाल? सवाल में उनकी अनदेखी के सामने आये विचार? सवाल उठे कि आखिर क्यों नही हो रहे उनके राजनीति वाले दीदार? खुद को उन्होंने क्यों कर लिया राजनीति से दूर? उनकी सक्रियता के किस्से आज भी सुनाई देते हैं? ना जाने फिर क्यों खामोश हो गये हैं हुजूर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जैसे ही विधायक जी ने ली पुलिस वालों से चेयरमैन पर हुई कार्यवाही की जानकारी? तब उन्हें पता चला कि पुलिस ने चेयरमैन पर साफ्ट कार्नर दिखाया है भारी? बस इस बात पर विधायक जी हो गये बहुत ज्यादा नाराज? ना जाने अब क्या असर दिखायेगी उनके गुस्से की आग? उनकी नाराजगी देखकर हम थे बहुत ज्यादा हैरान? लगता है बड़े स्तर पर नहीं निचले स्तर पर जल्द आयेगा कोई ट्रांसफर का पैगाम?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

संपादकीय

बस, अब बहुत हो चुका!

मैं गुस्से में हूं! उतना ही गुस्से में, जितना इन दिनों हर भारतीय है। गुस्सा, जिसका पारावार नहीं। कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर से हुए जघन्यतम दुष्कर्म ने ऐसे घाव कुरेदे हैं, जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। लेकिन जिस चीज से मुझे ज्यादा गुस्सा आ रहा है, वो ये है कि इस घृणित अपराध के बाद भी लोग दुष्कर्मियों के प्रति मानवता दिखाते हैं। फांसी की सजा के विपक्ष में तर्क देते हैं। सच तो यह है कि हम अभी भी एकजुट होकर ताकतवर संदेश नहीं दे रहे हैं ताकि फिर से कोई दुष्कर्म न करे! हैवानियत देखते हुए दुष्कर्मियों के साथ किसी तरह की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। भारत में जघन्य दुष्कर्म करने में पुरुषों को कोई खौफ नहीं है क्योंकि उन्हें परिणामों का कोई भय नहीं है। इसलिए मैं कह रहा हूं कि रेयरेस्ट ऑफ द रेयर मामलों में सजा भी कड़ी से कड़ी जैसे मृत्युदंड होनी चाहिए।

हालांकि एक कुतर्क भी चल रहा है कि मृत्युदंड से लड़कियों के लिए स्थिति और भी खतरनाक हो जाएगी, क्योंकि फिर दुष्कर्मी पीड़िता की हत्या भी करने लगेंगे। मतलब ये कौन कह रहा है? इतने विश्वास के साथ इस निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले क्या किसी के पास कोई अनुभवजन्य सबूत या मजबूत डेटा है? नहीं! इस संबंध में सिर्फ विरोधाभासी डेटा है। बल्कि इसके उलट काफी कुछ सबूत हैं। मैं आपको बताता हूं कैसे। अव्वल तो यह तर्क कायरपन से भरा है। यह वही पितृसत्तात्मक संदेश देता है कि पुरुष, महिलाओं से ज्यादा बलशाली हैं और हमें उनके डर में जीना होगा। इसलिए अगर हम उनके खिलाफ कोई कदम उठाते हैं तो हमें ही उसकी सजा मिलेगी।

यह वही बात हो गई कि हमारा घर जल रहा है, पर हम देखते रहें, नहीं तो हम झुलस सकते हैं। कुल–मिलाकर कहा जा रहा है कि भले ही देश में रोज औसतन 90 दुष्कर्म हो रहे हों, पर हम हाथ पर हाथ धरे बैठे रहें। जबकि हमें रक्षात्मक नहीं, आक्रामक होने की जरूरत है। दूसरी बात, साल 2017 की तुलना में साल 2018 में दुष्कर्मियों द्वारा पीड़िताओं की हत्या के मामले 31 प्रतिशत बढ़ गए। इसके बावजूद, दुष्कर्म हत्याओं की संख्या बहुत कम है– दुष्कर्म के 1 प्रतिशत से भी कम। उस 1 प्रतिशत के डर से, क्या हम शेष 99 प्रतिशत दुष्कर्मों को दंड से मुक्ति की अनुमति दे सकते हैं? याद रखें, मृत्युदंड अपराध रोकने में कारगर साबित होगा, ना कि हत्याएं बढ़ाएगा।

आप शायद मेरी बात से अभी भी संतुष्ट नही हैं? हकीकत देखते हैं। पहला, हमारी न्यायपालिका बच्चों से दुष्कर्म करने वालों को मौत की सजा देती है। अगर मौत की सजा बच्चों से दुष्कर्म रोक सकती है, जैसा कि इस अध्यादेश के पीछे का कारण है, तो यह सभी तरह के दुष्कर्मों को क्यों नहीं रोक सकती है?

दूसरी बात, किन देशों में सबसे कम दुष्कर्म होते हैं? सऊदी अरब, चीन, उत्तर कोरिया और सिंगापुर और इन सब में क्या कॉमन है? हां, वे सभी दुष्कर्मियों को फांसी की सजा देते हैं।

भारत में सिर्फ एक ही चीज दुष्कर्म करने से रोक सकती है, वो है सिस्टम का भय और कड़ी से कड़ी सजा, जो कि अपराध के हिसाब से तय होनी चाहिए। मृत्युदंड से सभी दुष्कर्मियों को मजबूत संदेश जाएगा कि बस अब बहुत हो चुका!

55 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी का भारत का लक्ष्य

महत्वाकांक्षी, लेकिन प्राप्त किया जा सकता है : आईएमएफ

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 2047 तक बढ़कर 55 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है, लेकिन इसके लिए भारत को 8 प्रतिशत की वार्षिक विकास दर आने वाले वर्षों में हासिल करनी होगी। यह लक्ष्य काफी महत्वाकांक्षी है लेकिन प्राप्त किया जा सकता है। आईएमएफ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कृष्णमूर्ति वी सुब्रमण्यन ने यह बात कही है। एक मीडिया इवेंट में उन्होंने कहा कि 8 प्रतिशत की विकास दर को प्राप्त किया जा सकता है। देश की डेमोग्राफी और सरकार की ओर से किए जा रहे नीतिगत सुधारों के कारण पिछले 10 वर्षों में विकास दर तेज रही है। उन्होंने आगे कहा कि अगर हम उद्यमिता की बात करें तो वर्ल्ड बैंक का डेटा दिखाता है कि 2014 के बाद से नई फर्म की संख्या में वृद्धि हुई है, जिसके कारण भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उद्यम इकोसिस्टम बन पाया है। इससे औपचारिक क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने में सफलता मिली है। उन्होंने आगे कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था अनौपचारिक से औपचारिक की तरफ जा रही है। भारत की दो-तिहाई अर्थव्यवस्था अनौपचारिक है। अनौपचारिक क्षेत्र की फर्म में औपचारिक की अपेक्षा कम उत्पादकता होती है। वर्ल्ड बैंक का दावा है कि भारत को अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के एक-चौथाई हिस्से तक पहुंचने में 75 वर्ष का समय लगेगा। इस पर आईएमएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मिडिल इनकम की परिभाषा काफी बड़ी है। अगर भारत अपनी जीडीपी प्रति व्यक्ति आय को दो, तीन या चार गुना तक बढ़ाता है तो भी वह मिडिल-इनकम देश ही रहेगा।

उन्होंने आगे कहा कि मिडिल-इनकम के जाल से बाहर निकलने के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में वृद्धि दर काफी आवश्यक है। पिछले महीने आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर के लक्ष्य को 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया था। इसकी वजह देश में निजी खपत (विशेषकर ग्रामीण भारत में) का बढ़ना था।

भारतीय शेयर बाजार ने पिछले 25 वर्षों में वॉरेन बफे की कंपनी से भी दिया ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन पिछले कई वर्षों में काफी शानदार रहा है। राजनीतिक और वैश्विक उठापटक के बीच भी बाजार ने लचीलापन दिखाया है और बीते 25 वर्षों में दुनिया के प्रसिद्ध निवेशक वॉरेन बफे के नेतृत्व वाली निवेश फर्म बर्कशायर हैथवे से भी अच्छा प्रदर्शन किया है। एक एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। भारत केंद्रित सिंगापुर की एएमसी कंपनी हेलिओस द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि निफ्टी 500 ने 12.56 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न और बर्कशायर हैथवे ने 9.52 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न (डॉलर) 31 जुलाई 1,999 से लेकर 31 जुलाई,2024 के बीच दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस दौरान भारत को कई सारी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा, जिसमें मई 1998 परमाणु बम के टेस्ट करने के बाद भारत पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध, 1999 का कारगिल युद्ध शामिल हैं और साथ ही गठबंधन सरकारों के समय में भारतीय बाजार ने लचीलापन दिखाया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 2004 में अचानक से सरकार बदलने के कारण बाजार 17 प्रतिशत गिर गया और वहीं, 2008 की ग्लोबल फाइनेंसियल क्राइसिस में भी बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली थी। वहीं, 2011 से 2015 के बीच भ्रष्टाचार और सूखे के कारण भी बाजार को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। बाजार सफलतापूर्वक इन झटकों से निकलने में सफल रहा है और निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न दिया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कई सारी चुनौतियों और उतार-चढ़ाव के बाद भी भारतीय बाजार ने साबित किया है कि लंबी अवधि में वह आउटपरफॉर्मर है। भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन चालू वर्ष में भी काफी अच्छा रहा है। 2024 की शुरूआत से अब तक (20 अगस्त) सेंसेक्स और निफ्टी ने क्रमशः 11.66 और 13.60 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

सेंसेक्स सपाट खुला, मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी

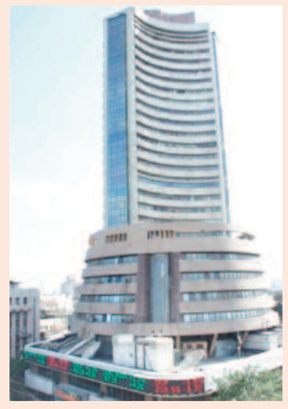

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के मुख्य सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बुधवार के कारोबारी सत्र में सपाट खुले। सुबह 9:20 पर सेंसेक्स 35 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,766 और निफ्टी 2 अंक की गिरावट के साथ 24,696 पर था। बाजार का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1462 शेयर हरे निशान में और 654 शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। शुरूआती कारोबार में बैंकिंग शेयरों में दबाव बना हुआ है। निफ्टी बैंक 116.60 अंक या 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,686 पर है। एनएसई इंडेक्स में बैंकिंग के अलावा आईटी, फिन सर्विस, रियल्टी और सर्विस सेक्टर में गिरावट है। मेटल, एफएमसीजी, फार्मा और मीडिया हरे निशान में हैं। सेंसेक्स पैक में एलएंडटी, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, नेस्ले, आईटीसी, एचयूएल, सनफार्मा, एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एसबीआई और टाटा स्टील टॉप गेनर्स हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक और एमएंडएम टॉप लूजर्स हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि भारतीय बाजारों में अच्छे संकेत मिल रहे हैं। महंगे हो चुके डिफेंस और रेलवे के शेयरों में मुनाफावसूली देखने को मिल रही है। वहीं, सस्ते और सही वैल्यूएशन पर मिल रहे फाइनेंस के शेयरों में तेजी है। यह बाजार के लिए काफी अच्छा है।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। बैंकॉक और जकार्ता के बाजारों में तेजी है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग और सोल के बाजार लाल निशान में हैं। अमेरिका के बाजार मंगलवार को लाल निशान में बंद हुए थे। कच्चे तेल का बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 77.10 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 73.03 डॉलर प्रति बैरल पर है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,457 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2,252 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

रूपये 8 के पावर शेयर को खरीदने की लूट, 12000% चढ़ गया शेयर

नई दिल्ली। आरएमसी स्विचगियर्स के शेयर आज बुधवार को चर्चा में हैं। कंपनी के शेयर 5 प्रतिशत के अपर सर्किट के साथ 937.90 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए। यह इसका 52 वीक का नया हाई प्राइस भी है। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने शेयर बाजार को बताया है कि उसकी सहायक कंपनी आरएमसी ग्रीन एनर्जी को राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी 2023 के तहत राजस्थान में 50 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी पार्क स्थापित करने के लिए राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी निगम से मंजूरी मिल गई है। बता दें कि आरएमसी स्विचगियर्स के शेयर पिछले एक महीने में 50% और सालभर में 90% से अधिक चढ़ गए हैं। चार साल में इस शेयर में 11625% की तेजी आई है। साल 31 जुलाई 2020 में इस पावर शेयर की कीमत मात्र 8 रुपये ही थी।

क्या है डिटेल

एक एक्सचेंज फाइलिंग में आरएमसी स्विचगियर्स ने कहा, कंपनी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आरएमसी स्विचगियर्स लिमिटेड की सहायक कंपनी आरएमसी ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने राजस्थान में 50 मेगावाट का रिन्यूएबल एनर्जी पार्क स्थापित करने के लिए राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी निगम से मंजूरी हासिल कर ली है। यह रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी 2023 के तहत है। कंपनी ने कहा कि आरएमसी स्विचगियर्स सक्रिय रूप से 600 मेगावाट से अधिक की अतिरिक्त निविदाओं पर काम कर रही है और अगले 18 महीनों में ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट्स में 1 जीडब्ल्यूपी हासिल करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की संस्थाओं के साथ जुड़ रही है।

कंपनी का कारोबार

बता दें कि जयपुर की कंपनी आरएमसी स्विचगियर्स एक पावर टेक्नोलॉजी कंपनी है। कंपनी बिजली की चोरी से निपटने और बिजली के झटके से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में माहिर है। यह विनिर्माण, आपूर्ति, स्थापना और संचालन एवं रखरखाव (ओ एंड एम) प्रबंधन को शामिल करने वाले समाधान भी डिजाइन करता है।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान–पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर करें।

धनु: आशंका–कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

एक लड़का इंटरनेट पर सर्च करते हुए लिखता है।
'हाऊ टु इंप्रेस अ गर्ल इफ वीक इन
इंग्लिश जवाब मिला...
ओए, सुधर जाओ, खेती बाड़ी कर
लेओ जेमे फायदा,
मोड़ी पटावे में कछु नाई धरो, जायदाद बिक जेहे जे
चक्करन मा, और जूता पड़िहैं, वै अलग।

राकेश– यार तू अपनी बीवी को किस नाम से बुलाता है?
रमेश– गूगल
राकेश– ये कैसा नाम हुआ।
रमेश– क्या करूं, सवाल एक करता हूं और जवाब 100 मिलते हैं।

पिता– नालायक, तू फिर फेल हो गया, आज से कभी मुझे पापा मत कहना
टीटू– ओह कमऑन डैड, स्कूल टेस्ट ही तो था, कोई डीएनए टेस्ट थोड़ी न था।

रोचक तथ्यों का करंट

- मिक्की माउस का इटली में नाम टोपोलिनो है।
- एक केकड़े का खून रंगहीन होता है। ऑक्सीजन मिलने के बाद यह नीला हो जाता है।
- पक्षियों को निगलने के लिए ग्रेविटी की जरूरत होती है।›
- अंग्रेजी अल्फाबेट का सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला लेटर ए है।
- विश्व की दो सबसे अधिक कॉमन इस्तेमाल होने वाली भाषाएं मैंड्रियन चायनीज, स्पैनिश और अंग्रेजी है।
- बिल्ली के हर कान में 32 मसल्स होते हैं।
- पर्थ ऑस्ट्रेलिया का ऐसा शहर है जहां सबसे तेज हवा बहती है।
- इंसान की सबसे छोटी हड्डी कान में होती है।
- बिल्लियां अपनी जिंदगी का 66% हिस्सा सोते हुए गुजारती हैं।
- स्विट्जरलैंड में दुनिया में सबसे अधिक चॉकलेट खाई जाती है। यहां हर व्यक्ति एक साल में 10 किलो के औसत से चॉकलेट खाता है।
- पैसा ऐसी पहले नंबर की चीज है जिसके बारे में जोड़े सबसे अधिक बहस करते हैं।

दैनिक
करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया–पाया, संबंध–विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के–2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी।एस। पब्लिकेशन, एफ–23, सैक्टर–6, नोएडा–201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी–2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप समीकरण

क्या कोई टीम भारत और ऑस्ट्रेलिया को पछाड़ पाएगी ?

नई दिल्ली। अगले कुछ महीनों में टेस्ट क्रिकेट फोकस में रहेगा। कई दिग्गज टीमों के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है, जबकि कुछ की शुरूआत होने वाली है। भारतीय टीम अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की प्वाइंट्स टेबल में पहले नंबर पर मौजूद है। टीम को मौजूदा चक्र में अभी और टेस्ट सीरीज और खेलनी हैं। ऑस्ट्रेलिया भी दूसरे स्थान पर काबिज है। मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में अभी तक सिर्फ आधे ही मैच हुए हैं, ऐसे में कई टीम फाइनल तक का सफर तय कर सकती हैं। सभी टेस्ट टीमों का प्रयास यह रहेगा कि वह अपने विपक्षी टीमों को मात देते हुए, डब्ल्यूटीसी के प्वाइंट टेबल में अपने स्थान को मजबूत करें, ताकि वह फाइनल तक का सफर तय कर सकें। आइए यह जानने का प्रयास करते हैं कि किन टीमों के पास फाइनल तक का सफर तय करने का मौका है। इस दौड़ में सबसे आगे भारत है। टीम ने नंबर-1 पर अपना कब्जा मजबूती से बनाए रखा है। भारत (68.52 प्रतिशत अंक) के साथ टेबल टॉपर है, जबकि टीम की अभी तीन सीरीज बाकी है। जिनमें बांग्लादेश (2 घरेलू टेस्ट मैच), न्यूजीलैंड (3 घरेलू टेस्ट मैच) और ऑस्ट्रेलिया (विदेशी धरती पर 5 टेस्ट) शामिल है। भारत को 60 प्रतिशत अंकों से ऊपर रहने के लिए इन 10 टेस्ट मैचों के 120 अंकों में से 63 फीसदी अंक की जरूरत है। (एक जीत पर 12 अंक और ड्रॉ पर चार अंक मिलते हैं।) पांच जीत और एक ड्रॉ से भारत को 64 अंक मिलेंगे, जो उसे 60 प्रतिशत अंकों से ऊपर रखेगा (यह मानते हुए कि धीमी ओवर गति जैसे अपराधों के लिए उनके अंक नहीं काटे जाएंगे)। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम है। इस टीम के 62.50 प्रतिशत अंक है और नंबर-2 पर काबिज है। जबकि ऑस्ट्रेलिया को अब मात्र दो सीरीज खेलनी है, जिनमें- भारत (5 घरेलू टेस्ट), श्रीलंका (2 टेस्ट) शामिल है। ऑस्ट्रेलिया उन दो टीमों में से एक है जिन्होंने इस चक्र में पहले ही छह में से चार सीरीज खेल ली है। ऑस्ट्रेलिया ने भी अपने छह में से चार सीरीज खेल ली हैं। वो 62.5 प्रतिशत अंकों के साथ काफी अच्छी स्थिति में हैं। हालांकि उनकी अंतिम रैंकिंग

काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगी कि वो भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर कैसा प्रदर्शन करते हैं। न्यूजीलैंड भी इस दौड़ में मजबूती के साथ बनी हुई है। इस टीम के पास 50 प्रतिशत अंक है, और उन्हें श्रीलंका (विदेशी धरती पर 2 टेस्ट), भारत (विदेशी धरती पर 3 टेस्ट) और इंग्लैंड (3 घरेलू टेस्ट) सीरीज खेलनी है। अब तक खेले गए छह टेस्ट में तीन जीत और तीन हार के साथ न्यूजीलैंड के पास 50 फीसदी अंक हैं। जिसका मतलब है कि उन्हें 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने के लिए उन्हें कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। श्रीलंका (50.00 प्रतिशत अंक) बची हुई सीरीज : इंग्लैंड (विदेशी धरती पर 3 टेस्ट), न्यूजीलैंड (2 घरेलू टेस्ट), दक्षिण अफ्रीका (विदेशी धरती पर 2 टेस्ट), ऑस्ट्रेलिया (2 घरेलू टेस्ट) श्रीलंका के पास न्यूजीलैंड की ही तरह 50 प्रतिशत अंक है। हालांकि उन्होंने अपनी छह सीरीज में से सिर्फ.दो ही सीरीज खेली हैं। अभी उन्हें इस चक्र में नौ टेस्ट खेलने हैं। कुल मिला कर 108 उपलब्ध अंकों में से 70 प्रतिशत अंक हासिल करने हैं, तभी वे 60 प्रतिशत अंक तक पहुंच सकते हैं। इसका मतलब है कि उन्हें छह जीत या पांच जीत और तीन ड्रॉ की आवश्यकता है। इसका मतलब है कि इंग्लैंड में होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में वह बहुत ज्यादा अंक नहीं गंवा सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका (38.89 प्रतिशत अंक), बची हुई सीरीजः श्रीलंका (2 घरेलू टेस्ट), पाकिस्तान (2 घरेलू टेस्ट), बांग्लादेश (विदेशी धरती पर दो टेस्ट) दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश इस चक्र में सबसे कम टेस्ट मैच खेलने वाली दो टीमें हैं। एक तरह इंग्लैंड की टीम इस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में कुल 22 टेस्ट खेलने वाली है, जबकि बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका की टीमें सिर्फ. 12 टेस्ट ही खेलेंगी। अब तक छह टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने केवल 28 प्रतिशत अंक जुटाए हैं। 60 प्रतिशत अंक तक पहुंचने के लिए, उन्हें छह टेस्ट में 59 प्रतिशत और अंक चाहिए, जिसका मतलब है कि उन्हें पांच जीत चाहिए। उन्हें श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ चार घरेलू टेस्ट खेलने हैं, जहां उन्हें बांग्लादेश दौरे पर जाने से पहले अधिकतम अंक हासिल करने की कोशिश करनी होगी। पाकिस्तान (36.66 प्रतिशत अंक), बची हुई सीरीजः बांग्लादेश (2 घरेलू टेस्ट), इंग्लैंड (3 घरेलू टेस्ट), दक्षिण अफ्रीका (2 घरेलू टेस्ट), वेस्टइंडीज (2 घरेलू टेस्ट) श्रीलंका और बांग्लादेश की तरह, पाकिस्तान ने भी इस चक्र में छह में से केवल दो सीरीज खेली हैं। उनमें से दोनों विदेशी दौरे थे। इसका मतलब है कि उनके पास बांग्लादेश, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन सीरीज में घरेलू परिस्थितियों का अधिकतम लाभ उठाने का अवसर है।

वेस्टइंडीज के सील्स-होल्डर ने रैंकिंग में हासिल की बढ़त

भारतीय अपने स्थानों पर कायम

दुबई। वेस्टइंडीज के जेडन सील्स और जेसन होल्डर की जोड़ी ने आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में बाजी मारी है। बुधवार को जारी की गई नई सूची में दोनों ही खिलाड़ियों ने बंपर उछाल हासिल की। बावजूद इसके कि कैरेबियाई टीम 1-0 से सीरीज हार गई थी।सील्स और होल्डर दोनों ने वेस्टइंडीज की हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया था। सील्स ने गयाना में दूसरे टेस्ट में 9 विकेट लिए, जिसमें प्रतियोगिता की दूसरी पारी में छह विकेट लेने वाले 22 वर्षीय खिलाड़ी (6/61) ने अपने सर्वश्रेष्ठ टेस्ट आंकड़े हासिल किए। गयाना में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में 13वें स्थान पर अपने करियर की नई रेटिंग हासिल करने में मदद की। भारत के रविचंद्रन अश्विन टेस्ट गेंदबाजी सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड और भारत के जसप्रीत बुमराह संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। होल्डर ने भी तीनों श्रेणियों में अच्छा प्रदर्शन किया है। 32 वर्षीय होल्डर गयाना में बल्ले और गेंद से अच्छे प्रदर्शन के बाद टेस्ट ऑलराउंडरों की नई रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह भारतीय जोड़ी रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन से पीछे हैं। इस अनुभवी स्टार ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में नाबाद अर्धशतक बनाया, जिससे वह ऑलराउंडरों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर पहुंच गए और टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में सात स्थान की छलांग लगाकर 60वें स्थान पर हैं। श्रृंखला में अच्छे प्रदर्शन के साथ वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों ने नई टेस्ट रैंकिंग में जगह बनाई है। सील्स और होल्डर के

वेस्टइंडीज टीम के साथी जोमेल वारिकन (दो पायदान ऊपर 52वें स्थान पर) और शमर जोसेफ (11 पायदान ऊपर 54वें स्थान पर) ने भी टेस्ट गेंदबाजों की सूची में कुछ बढ़त हासिल की, जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज वियान मुल्डर अपने छह विकेट और प्लेयर ऑफ द मैच प्रदर्शन के बाद 27 पायदान ऊपर 65वें स्थान पर पहुंच गए। दक्षिण अफ्रीका की जोड़ी एडेन मार्करम (दो पायदान ऊपर 21वें स्थान पर) और काइल वेरिन (16 पायदान ऊपर 46वें स्थान पर) बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाले रहे, जबकि जो रूट ने श्रीलंका के साथ इंग्लैंड की टेस्ट सीरीज से पहले नंबर 1 रैंकिंग वाले बल्लेबाज के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन दूसरे स्थान पर हैं, जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम तीसरे स्थान पर हैं। उनके बाद न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और भारत के रोहित शर्मा हैं।

'बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी एशेज के बराबर' :मिचेल स्टार्क

नई दिल्ली। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आगाज में अभी करीब तीन महीने का समय बाकी है लेकिन इस सीरीज को लेकर जुबानी जंग शुरू हो चुकी है। दोनों ही टीमों के पूर्व और मौजूदा दिग्गज खिलाड़ी अपनी-अपनी तैयारियों, रणनीति और अनुभव का शेयर कर रहे हैं। इस कड़ी में अब ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क का नाम भी जुड़ चुका है। उन्होंने कुछ ऐसा बयान दिया है, जिससे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का रोमांच और बढ़ जाएगा। स्टार्क ने कहा कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी एशेज के बराबर है, क्योंकि यह हमारे लिए सबसे बड़ी सीरीज है। ऑस्ट्रेलिया ने 2014/15 के बाद से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है, क्योंकि भारत ने 2018/19

और 2020/21 सीरीज में उन्हें मात दी थी। इस साल ये सीरीज पांच टेस्ट मैचों की होगी, जो 1991/92 सीजन के बाद पहली बार हो रहा है। सीरीज का पहला मैच 22 नवंबर को पर्थ में खेला जाएगा। स्टार्क ने वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स से कहा, इस सीरीज में भी अब पांच मैच हो चुके हैं, जो शायद एशेज सीरीज के बराबर है। हम हमेशा अपने घर में हर मैच जीतना चाहते हैं। हम जानते हैं कि भारत एक बहुत मजबूत टीम है। अभी हम जिस स्थिति में हैं, हम टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष दो टीमें हैं। प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए यह एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला है। उम्मीद है कि जब हम 8 जनवरी को वहां बैठेंगे तो हमारे पास वह ट्रॉफी होगी। स्टार्क ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे खेलने के लिए इंग्लैंड जाएंगे, लेकिन उन्हें मेजबान और स्कॉटलैंड के खिलाफ टी20 मैचों से आराम दिया गया है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नजदीक है, ऐसे में स्टार्क ने कहा कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलने का कोई भी मौका नहीं छोड़ना चाहते। स्टार्क ने कहा, टेस्ट मैच हमेशा मेरे लिए प्राथमिकता रहेंगे।

इंटरकॉन्टिनेंटल कप : मनोलो मार्केज ने 26 संभावित खिलाड़ियों के ट्रेनिंग कैंप का किया ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच मनोलो मार्केज ने तीन देशों के इंटरकॉन्टिनेंटल कप के लिए भारत के ट्रेनिंग कैंप के लिए 26 संभावित खिलाड़ियों की सूची की घोषणा की है। यह उनका पहला कार्यभार है। टूर्नामेंट 3 से 9 सितंबर तक फीफा विंडो के दौरान हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के हवाले से मनोलो ने कहा, हम अपने पहले ट्रेनिंग कैंप को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मुझे पता है कि खिलाड़ियों के लिए भी यह वैसा ही होगा।

हम दो अलग-अलग टीमों का सामना करेंगे और रैंकिंग बहुत महत्वपूर्ण नहीं है। खिलाड़ियों के सही समूह को खोजने के लिए हमें एक ही दिशा में मिलकर काम करने की जरूरत है। उनकी प्रवृत्ति बहुत अच्छी होगी, जिसके बारे में मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं। मुझे पता है कि हम सभी प्री-सीजन में हैं और हमारे सामने मजबूत चुनौतियां हैं। राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनना एक बड़ा सम्मान है। प्रतियोगिता में अन्य दो टीमें सीरिया, जो फीफा की ताजा रैंकिंग में 93वें स्थान पर है और मॉरीशस हैं, जो 179वें स्थान पर है। भारत वर्तमान में 124वें स्थान पर है। ये ट्रेनिंग कैंप 31 अगस्त को हैदराबाद में शुरू होगा। जून में कतर के खिलाफ मिली हार के बाद यह भारत का पहला मैच होगा। फीफा विश्व कप क्वालीफायर से बाहर होने के बाद टीम में काफी उथल-पुथल हुआ और इस दौरान पूर्व राष्ट्रीय टीम के कोच इगोर स्टिमैक को भी अपना पद गंवाना पड़ा।

26 सदस्यीय संभावित सूची

गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह, अमरिंदर सिंह, प्रभसुखन सिंह गिल।
डिफेंडर : निखिल पुजारी, राहुल भेके, चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम, रोशन सिंह नाओरेम, अनवर अली, जय गुप्ता, आशीष राय, सुभाशीष बोस, मेहताब सिंह।
मिडफील्डर : सुरेश सिंह वांगजम, जैक्सन सिंह, नंदकुमार सेकर, नाओरेम महेश सिंह, यासिर मोहम्मद, लालेंगमाविया राल्टे, अनिरुद्ध थापा, सहल अब्दुल समद, लालियानजुआला चांगते, लालथाथांगा खावलिंग।
फॉरवर्ड : कियान नासिरी गिरी, एडमंड लालरिंदिका, मनवीर सिंह, लिस्टन कोलासो।

जीत की राह पर लौटने उतरेगी पुरानी दिल्ली 6

वेस्ट दिल्ली लायंस की निगाहें लगातार दूसरी जीत पर रहेंगी

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली 6 बुधवार को यहां अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ अपना तीसरा मैच खेलने उतरेगी। जहां लगातार दो हार के बाद पुरानी दिल्ली 6 जीत की लय हासिल करना चाहेगी तो वेस्ट दिल्ली लायंस की निगाहें लगातार दूसरी जीत पर रहेंगी। दोनों ही टीमों का लाइनअप बहुत शानदार है, जहां एक तरफ पुरानी दिल्ली 6 में विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज इशांत शर्मा का अनुभव शामिल है, तो दूसरी ओर ऋतिक शौकीन, देव लाकड़ा, दीपक पुनिया और भारतीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी से सजे वेस्ट दिल्ली

लायंस का किला भी काफी मजबूत है। मैच से पहले की तैयारियों पर बोलते हुए पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा, हालांकि हमारी शुरूआत थोड़ी कठिन रही है, लेकिन मुझे अपनी टीम के खिलाड़ियों और उनकी प्रतिभा पर पूरा विश्वास है। हम वापसी करने में सक्षम हैं।

बुधवार का मैच हमारे लिए अपनी वास्तविक क्षमता दिखाने का एक अवसर है और मुझे यकीन है कि टीम इस पर खरी उतरेगी। वहीं वेस्ट दिल्ली लायंस के मालिक डॉ राजन चोपड़ा ने कहा, हमारी टीम ने अब तक शानदार फॉर्म दिखाया है, हम इस विजय रथ को और आगे ले जायेंगे। बुधवार का मैच अपनी ताकत दिखाने का एक शानदार मौका है और मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है।

पुरानी दिल्ली 6 टीमः ललित यादव, इशांत शर्मा, अर्पित राणा, शिवम शर्मा, प्रिंस यादव, ऋषभ पंत, मयंक गुसाईं, सनत सांगवान, अंकित भड़ाना, युग गुप्ता, केशव दलाल, आयुष सिंह, कुश नागपाल, सुमित छिकारा, अर्नव बुग्गा, वंश बेदी, मंजीत, यश भारद्वाज, संभव शर्मा, लक्ष्मण। वेस्ट दिल्ली लायंस टीमः रितिक शौकीन, नवदीप सैनी, देव लाकड़ा, दीपक पुनिया, शिवांक वशिष्ठ, अखिल चौधरी, आयुष डिसूजा, कृष यादव, अनमोल शर्मा, जुगल सैनी, अंकित राजेश कुमार, विवेक यादव, आर्यन दलाल, मसाब आलम, एकांश डोबाल , शिवम गुप्ता, योगेश कुमार, सूर्यकांत चौहान, तिशांत डोनल, अब्राहम अहमद मसूदी।

मेरे लिए सबसे मुश्किल काम फ्री टाइम पास करना : बेन स्टोक्स

नई दिल्ली। इंग्लिश टीम के कप्तान बेन स्टोक्स, जो वर्तमान में हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं, खेल से दूर होकर काफी परेशान हैं। चोटिल होने के कारण श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से बाहर होने पर स्टोक्स ने कहा कि उनके लिए रिकवरी की राह पर सबसे कठिन काम समय बिताने की कोशिश करना और बोरियत से बचना है। स्टोक्स को चोटिल होने के कारण 13 अगस्त को आगामी सीरीज से बाहर कर दिया गया था। स्कैन में पता चला कि मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के खिलाफ द हंड्रेड गेम में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए एक तेज सिंगल पूरा करते समय उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट लग

गई थी। इस दौरान उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था और टीम डगआउट में बैसाखी के सहारे चलते नजर आए। ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच पहले टेस्ट से पहले स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट पर स्टोक्स ने कहा, मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। जाहिर है कि पिछले दिनों की तुलना में अब बेहतर हूं। अभी रिकवरी का शुरूआती चरण है, लेकिन जिम जाकर थोड़ा वर्कआउट करना अच्छा है।

मुझे लगता है कि मेरे लिए सबसे कठिन काम अपने समय को भरने की कोशिश करना और बहुत अधिक बोरियत महसूस न करना है। अभी भी आसपास रहना और इसमें शामिल होना बहुत अच्छा है। उनकी अनुपस्थिति में दाएं हाथ के बल्लेबाज ओली पोप टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की कप्तानी करने वाले 82वें खिलाड़ी बन गए हैं। स्टोक्स ने कहा कि पोप मौजूदा टेस्ट टीम में भी वही भावनाएं लेकर आएंगे, हालांकि उनका व्यक्तित्व अलग होगा। उन्होंने कहा, मैं उसके लिए बहुत उत्साहित हूं। उसे उप-कप्तान नियुक्त करने का एक कारण भी था। मुझे लगता है कि उसे खेल की बहुत अच्छी समझ है और योजनाओं के मामले में हम दोनों एक जैसे हैं।

मैंने हमेशा पाया है कि जब वह मेरे पास आता था, तो यह बात मेरे दिमाग में पहले से ही होती थी। कप्तान के तौर पर वह स्पष्ट पसंद थे और मुझे लगता है कि वह तीसरे नंबर की भूमिका में बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं और अब उन्हें उप-कप्तानी देने से वह एक लीडर के तौर पर दूसरे स्तर पर पहुंच गए हैं। मेरा संदेश था कि 'जाओ और अपने तरीके से करो, जिस तरह से तुम्हें ठीक लगे'।

बाबर की खोई हुई फॉर्म हासिल करने पर रहेगी पाकिस्तान की नजर

रावलपिंडी। अगले पांच महीनों में नौ टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार पाकिस्तान के रेड-बॉल क्रिकेट में व्यस्त कार्यक्रम की शुरूआत गीली आउटफील्ड के साथ हुई। रात भर हुई बारिश के कारण बुधवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट की शुरूआत में देरी हो रही है। पाकिस्तान को उम्मीद है कि आगामी रेड-बॉल मैचों के आधार पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के लिए बांग्लादेश के खिलाफ टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज की चुनौती के लिए तैयार है। लेकिन रावलपिंडी स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की शुरूआत गीली आउटफील्ड के चलते देरी हुई। इसके चलते टॉस भी लेट हो गया है। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद को उम्मीद है कि इस सीरीज से उन्हें

सीजन के आगे के मुकाबलों के लिए बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। वह एक ऐसी मजबूत टीम बनाना चाहते हैं जो फाइनल तक जा सके, साथ ही वह युवा बल्लेबाजों को मौका देने की योजना बना रहे हैं। शान मसूद ने कहा, हमारे दल में 20-25 खिलाड़ी हैं। हमें शुरू में लगा कि मोहम्मद हुरैरा को परखने का यह हमारा आदर्श मौका है। उन्होंने पिछले तीन या चार वर्षों में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने इस श्रृंखला में इमाम को आराम दिया है। सैम भी अब अच्छी लय में हैं, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी पारी में अपनी क्षमता दिखाई थी। एक टीम के रूप में, आपको निरंतरता का संदेश देना होता है। इसलिए हम खिलाड़ियों का समर्थन करने की कोशिश करेंगे। हम उसे उचित मौका देना चाहते हैं। पाकिस्तान की नजर पूर्व कप्तान और प्रमुख टेस्ट बल्लेबाज बाबर आजम के फॉर्म पर भी होगी, जिनका औसत 2019 से 2022 की अवधि के दौरान 60 से गिरकर, बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले 37.41 पर आ गया है। पिछले कुछ सीजन में बाबर ने 9 टेस्ट मैचों में सिर्फ. एक शतक और तीन अर्धशतक लगाए हैं।

भारत को स्पिन के खिलाफ दोबारा महारत दिलाना चाहते हैं टेन डेशकाटे

नई दिल्ली। नीदरलैंड्स के पूर्व ऑलराउंडर रेयान टेन डेशकाटे जब सहायक कोच के तौर पर भारतीय टीम के साथ जुड़ रहे थे तब उन्होंने यह नहीं सोचा था कि स्पिन से निपटना उनको मिलने वाले दायित्वों में से एक होगा लेकिन अब वह भारत के आगामी घरेलू सीजन के दौरान इस भूमिका को निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। भारत को आने वाले समय में घर पर बांग्लादेश के खिलाफ दो और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। टेन डेशकाटे ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट से कहा, यह (स्पिन से निपटने की ज़िम्मेदारी मिलना) उन चुनौतियों में से था जिसके बारे में मैंने सोचा नहीं था। श्रीलंका में हम उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की श्रृंखला के दौरान अपने 27 विकेट स्पिन के खिलाफ ही गंवाए। श्रृंखला के बाद खुद रोहित शर्मा ने स्वीकारा कि यह एक ऐसा पहलू है जिस पर चर्चा करने की आवश्यकता है। टेन डेशकाटे ने कहा, भारतीय टीम का ऐसा माइंडसेट रहा है कि वह विदेश में बेहतर करने के लिए काफी उत्साहित रहती है। टीम का ध्यान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे देशों में बेहतर करने पर आकर्षित हुआ है। स्पिन को बेहतर ढंग से खेलना भारतीय टीम का हमेशा से मजबूत पक्ष रहा था और यहां भारतीय टीम के प्रदर्शन में थोड़ी गिरावट आई है। मैं इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़

रहा हूं कि मैं खिलाड़ियों की मदद कर सकूं ताकि भारतीय खिलाड़ी एक बार फिर दुनिया भर में स्पिन को सबसे बेहतर ढंग से खेलने वाले खिलाड़ी बन सकें। गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ में टेन डेशकाटे और अभिषेक नायर सहायक कोच के रूप में शामिल हैं। 2021 में संन्यास के बाद से ही टेन डेशकाटे कोचिंग के क्षेत्र में काफी सक्रिय रहे हैं। वह केंट और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ काम करने के अलावा हाल ही में हुए मेजर क्रिकेट लीग (एमएलसी) में एलए नाइट राइडर्स के साथ भी काम कर चुके हैं। इतने कम समय में इतनी अधिक भूमिकाएं निभाने के सवाल पर उन्होंने यही कहा कि उन्हें कोचिंग देने में काफी आनंद आता है।

वह अपनी नई भूमिका को लेकर भी पूर्ण रूप से स्पष्ट हैं। मुझे नहीं लगता कि इन खिलाड़ियों को किसी तकनीकी ज्ञान की आवश्कता है। हमारा काम सिर्फ. उन्हें एक माइंडसेट देना, परिस्थितियों के प्रति सजगता के बारे में बताना, उन्हें नए आइडिया देना और माहौल को ठीक रखना होगा और यह काफी महत्वपूर्ण भी है। टेन डेशकाटे ने एक विश्व विजेता टीम को कोचिंग देने के दौरान सामने आने वाली संभावित चुनौतियों पर भी बात की। उन्होंने कहा, अभी बीच में चैंपियंस ट्रॉफी भी होनी है और हमारे पास तैयारी के लिए सिर्फ. तीन वनडे शेष हैं। प्रारूपों के हिसाब से ढालना और इसके लिए टीम को तैयार करना काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। यह एक ऐसा टूनार्मेंट है जिसे वे (भारतीय टीम) हर हाल में जीतना चाहेंगे। जबकि इसके बाद इंग्लैंड का दौरा होगा और फिर टी20 वर्ल्ड कप (2026) सामने होगा।

एक ऐसी टीम का हिस्सा बनना जो अभी अभी वर्ल्ड कप जीत कर आ रही हो, चुनौतीपूर्ण तो होता ही है लेकिन आने वाले 18 महीनों में जो लक्ष्य सामने हैं वो एक कोच के तौर पर रोमांचित करने योग्य जरूर हैं।

दिल्ली में अगला युद्ध ट्रैक्टरों से होगा, बांग्लादेश जैसी होगी हालत: राकेश टिकैत

जयंत और चिराग पर टिकैत का बड़ा हमला : 'ये सरकार छोड़कर नहीं जाएंगे, चाहे इनकी टांग खींचकर बाहर कर दो'

नोएडा। किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार में शामिल राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के मुखिया जयंत चौधरी और लोकतांत्रिक जनशक्ति पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष चिराग पासवान पर जोरदार हमला बोला है। राकेश टिकैत ने कहा, इन लोगों पर गरीब, नौजवान, किसान और मजदूर को भरोसा था कि ये उनकी आवाज बनेंगे, लेकिन इन लोगों ने धोखा देकर सरकार में हिस्सेदारी हासिल की है। बुधवार को राकेश टिकैत नोएडा मीडिया क्लब में थे। यहां पत्रकारों से उन्होंने तमाम मुद्दों पर खुलकर बातचीत की।

भाव बढ़ाने के लिए देते हैं बयान

राकेश टिकैत से जब राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, उन पर आम आदमी ने भरोसा किया था। किसानों, गरीबों और युवाओं को लगा था कि वह उनकी आवाज बनेंगे। वह सरकार में हिस्सेदार बन गए। अब तो हालात ऐसे हैं कि कोई उनकी टांग पकड़कर भी सरकार से बाहर खींचे तो भी वह अपने लालच की वजह से वहीं पड़े रहेंगे। जब उनसे पूछा गया कि जयंत चौधरी और चिराग पासवान ने तो कई मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ बयान दिए हैं, तो राकेश टिकैत ने कहा, यह पूरा पोलिटिकल गेम है। अपने भाव बढ़ाने के लिए सरकारों के खिलाफ बयानबाजी करते हैं। ऐसे बयान देने से बड़ा फायदा होता है। अगर उन्हें आम आदमी की इतनी ही चिंता है तो सरकार में शामिल क्यों हुए? जयंत चौधरी और चिराग पासवान तो लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे।

सरकार पांच साल चलेगी पर पीएम बदल जाएंगे

एक अन्य सवाल के जवाब में राकेश टिकैत ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, यह सरकार कहीं नहीं जाएगी। केंद्र सरकार पूरे 5 साल चलेगी, लेकिन प्रधानमंत्री बदले जाएंगे। आखिर चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, जयंत चौधरी और चिराग पासवान जैसे सरकार के हिस्सेदार कब तक अपनी विचारधारा के खिलाफ मोदी के नाम पर पर टिके रहेंगे। जैसे ही राज्यों के चुनाव नजदीक आएंगे, ये लोग अपनी जमीन बचाने के लिए भागना शुरू कर देंगे।

साहब ने कहा झंडा फहरायेगें ना कि रात में दफ्तर में रूक जायेगें

नशे की पिनक होती हैं और सत्ता की हनक होती हैं और इन दोनो का जो काम्बीनेशन होता है वो अफसर की सनक होती है। किस्सा विकास वाले महकमें में गूंज रहा है। शुरूआत स्वाधीनता दिवस से हुई है और युग पराधीनता का दफ्तर के बाबू फील कर रहे हैं। महकमें का नया दफ्तर बापूधाम वाली नई बिल्डिंग में शिफ्ट होना हैं। महकमें के बड़े साहब ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर महकमें की पुरानी बिल्डिंग में झंडा फहराया और कहा कि अगले साल ये झंडा नई वाली बिल्डिंग में फहराया जायेगा। अब वो महकमें के बड़े साहब हैं कुछ भी कह सकते हैं लेकिन दिक्कत तब हुई तब उनके बाद दूसरे वाले साहब ने जो समझ लिया वो अब दफ्तर में किसी की समझ नही आ रहा है। बड़े साहब ने जो कहा वो जाने लेकिन जो कर्मचारियों पर जो गुजर रही है वो बाते शाम के बाद बाहर आ रही है। सारेसरकारी दफ्तर शाम को बंद हो जाते है मगर विकास वाले महकमें में काम शाम के बाद और बढ़ जाता है। रात के आठ बज जाते हैं, 9 बज जाते हैं तब कहीं घर जाने का नबंर आता है। अब साहब जाने उन्हे इतनी देर तक सब को रोकने में क्या मजा आता है लेकिन वो तो स्टाफ की देर शाम तक दफ्तर में बैठने वाली सेल्फी ले रहे हैं। किसे भेज रहे हैं और क्यों भेज रहे हैं ये साहब बेहतर जानते होगें लेकिन बाबू कह रहे हैं कि बड़े साहब ने अगले साल में नये दफ्तर में झंडा फहराने की बात कही थी ये थोड़ी ना कहा था कि हम सब भी रात को दफ्तर में ही रूक जायेगें।

नकद पांच लाख ईनाम तुम खुलवाओ विधायक के खिलाफ जुबान

दो मौहल्ला मेंबर हैं एक की शरीक ए हयात पहले मेंबर रही है और अब साहब खुद मेंबर हैं और दूसरे की लाईफ संगिनी मेंबर हैं और वो मेंबर पति। दोनो की जुबान से शोले निकलते हैं और दोनो का मेंबरी एरिया एक विधानसभा के बार्डरी एरिया में आता है। एक मेंबर विधायक जी का इयर पकडू चेला है तो दूसरा आर्डर ही कमांडरी मानता है। कहने वाले ने कहा कि वो दोनो जनसेवक है बस उनका लहजा है अपनी बात कहने का। फूल वाले ने ही कहा कि पड़ोस की विधानसभा में उनकी बिरादरी वाले विधायक हैं। आप हो भाजपाई तो सुबह शाम दिन रात कभी भी कर लेना ट्राई। वो सासंद के लिये कह सकते हैं,वो मेयर के लिये बोल सकते हैं,वो दूसरी विधानसभाओं के विधायक के लिये कह सकते हैं। लेकिन अपनी बिरादरी वाले विधायक के लिये कुछ नही बोलेगें। कहने वाले ने ईनाम का एलान किया और कहा कि मैं पांच लाख दूंगा ईनाम तुम उनकी बिरादरी वाले विधायक के खिलाफ खुलवाओ तो सही उनकी जुबान। उन्हे सब पता है कि किसके सामने और कहां कब क्या कहना है। अपने लहजे में वो एक शब्द भी अगर विधायक जी के खिलाफ निकाल दें, जुबान से, मिंया मैं सियासत छोड़ दूंगा ईमान से।

पटवारी पर मना था जश्न तो सोचो अफसर के तबादले पर टश्न

फूल वालों को वो पटवारी तो याद ही होगा जो कमेंट वार के चक्कर में सरकार वालों के रडार पर आ गया। फूल वाले थाने गये और पटवारी बाई चांस संस्पेंड हो गया बस फिर वो डांस हुया था कि पूछो ही मत। रोड शो ही ना निकला बाकी तो पूरा आसमान पटवारी मारा गया के नारों से गूंज उठा था। पब्लिक को भी फील हुआ था कि फूल वालों के राज में पटवारी बहुत बड़ी चीज होता हैं वर्ना पटवारी के संस्पेंशन को कोई इतना तूल थोड़े ही देता है। पटवारी सस्पेंड कराने वाले फिर चपरासी का भी कुछ नही बिगाड़ पाये। 4 जून की हूल को धूल में अफसरों ने मिला दिया। जून गया जुलाई गई और 15 अगस्त की सलामी भी हो गई। आईपीएस ने भी ली और आईएएस ने भी मुखिया के बिना ही तिरंगा भी फहराया और राष्ट्रगान भी गाया। तफरी भी फूल वाले ने ही ली और कहा कि तबादला तो रूटीन प्रकिया है लेकिन आप ये सोचो कि जब पटवारी के निलंबन पर जश्न मना सकते हैं तो अफसर के तबादले पर तो टश्न ही अलग होगी फूल वालों की शहर में।

दलित समाज के लोगों ने राष्ट्रपति को दिया ज्ञापन

मुरादनगर, करंट क्राइम। नगर क्षेत्र में आरक्षण को लेकर दलित समाज द्वारा बुलाए गए भारत बंद का नगर में मिलाजुला असर दिखाई दिया। व्यापारियों ने दोपहर बारह बजे तक दुकानें बंद रखीं। दलित संगठन, बसपा, असपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर डीसीपी ग्रामीण को ज्ञापन दिया। मेन बाजार स्थित ओलंपिक तिराहे पर दलित समाज के लोग बुधवार सुबह से ही एकत्र होने शुरू हो गए। दलित समाज के लोगों ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

डीसीपी ग्रामीण सुरेन्द्रनाथ तिवारी पहुंचे और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन लिया। इस मौके पर बसपा, असपा के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। इस मौके पर रोहताश जाटव, योगेन्द्र कुमार, रामकिशोर गौतम, बबली जाटव, कमल जाटव, नवीन गौतम, विनोद जाटव सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

फर्जी डॉक्टर को संरक्षण देने वाली संस्था के महासचिव के विरुद्ध बॉर्डर थाने में रिपोर्ट दर्ज

लोनी, करंट क्राइम। लोनी में फर्जी डॉक्टर को संरक्षण देने वाली संस्था के महासचिव पर रिपोर्ट दर्ज हुई है, बता दें कि लोनी में लगातार एक संस्था के द्वारा संरक्षण देने के बाद अस्पताल नाम की फर्जी दुकान चलने वाले (एम.डी) पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा छापेमारी के बाद अपने आप को डॉक्टरों की संस्था का महासचिव के विरुद्ध शिकायतकर्ता द्वारा जान से मारने की धमकी देने के मामले में बॉर्डर थाने में पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज बताया जा रहा है कि संस्था के महासचिव पर पहले भी लोनी में मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। शिकायतकर्ता के मुताबिक लोनी में हॉस्पिटल संचालक बिना डिग्री धारक डॉक्टर हैं उनकी शिकायत करने पर शिकायतकर्ता को दी गई थी धमकी शिकायतकर्ता ने लोनी बॉर्डर थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक पर धारदार हथियार से वार कर किया घायल

मुरादनगर, करंट क्राइम। नगर क्षेत्र के गांव व्हिंग में मामूली बात को लेकर एक युवक को धारदार हथियार से वार कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। गांव व्हिंग निवासी संजय शर्मा बाइक से अपने घर जा रहा था। जब वह बीच रास्ते में पहुंचा तो एक भैसे ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद वह बाइक सहित नीचे गिर गया। संजय शर्मा ने भैसे स्वामी से बाइक खड़ी करने को कहा। इस बात को लेकर आरोपी ने अपने परिजनों के साथ मिलकर संजय शर्मा के साथ मारपीट कर धारदार हथियार से वार किए। पीड़ित ने मुरादनगर थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

सुन्दर दीप कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी

गाजियाबाद में छात्र-छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित

गाजियाबाद करंट क्राइम। सुन्दर दीप कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी गाजियाबाद, चौधरी चरन सिंह यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त स्नातक कोर्सेस मैनेजमेंट, वाणिज्य और कंप्यूटर एप्लीकेशन (बी.बी.ए., बी.कॉम., बी.सी.ए.) के छात्र-छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम की शुरुआत गुरुवार को की गई। दीक्षारंभ की शुरुआत मां सरस्वती के आशीर्वाद व दीप प्रज्जवलित करके किया गया। संस्था के चेयरमैन महेन्द्र अग्रवाल व उपाध्यक्ष अखिल अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद व उज्जवल भविष्य की कामना का संदेश दिया।

मुख्य अतिथी.एस.डी.जी.आई. ग्लोबल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर (आई/सी) प्रो. (डॉ.) प्रसन्नजीत कुमार ने छात्र-छात्राओं का एस.डी.जी.आई. के प्रांगण मे स्वागत करते हुए बताया कि अनुशासन, मेहनत व समर्पण से कैसे विद्यार्थी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। रजिस्ट्रार पीयूष श्रीवास्तव, प्रो. (डॉ.) दीपा कवर (डिप्टी डायरेक्टर), प्रो. प्रशान्त तोमर (परीक्षा नियंत्रक) तथा असिस्टेंट प्रो. अंशु कौशिक व आयुषी अरन सभी विद्वान वक्ताओं ने विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शिक्षित किया।

इस दीक्षारंभ समारोह में सभी गणमान्य डायरेक्टर्स (डॉ.) संदीप गुप्ता, (डॉ.) विभा सिंह, (डॉ.) मोनिका सेंगर, (डॉ.) आर. बी. सिंह, (डॉ.) हरवीर सिंह, (डॉ.) पूनम सिंह, (डॉ.) अंजली, प्रो. अमित भारद्वाज, सुभाष शर्मा, सुमित सिंह, गौरव सचान, (डॉ.) रवि प्रसाद, (डॉ.) अंशिता त्यागी, (डॉ.) योगिता कौशिक, (डॉ.) स्वाती शर्मा, रुचि शर्मा, साक्षी रूहेला, वन्दना भारद्वाज, ईशा जैन, नकुल राणा, माधवी जोशी, पम्मी कुमारी, प्रीत यादव, आकाश पुंडीर, नीलू मौर्य आदि मौजूद रहे।

हापुड़ में मंकीपॉक्स को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

जिले में 373 निगरानी समिति करेंगी लोगों को जागरुक, 72 सर्विलांस टीम का गठन

हापुड़। मंकीपॉक्स को लेकर जिले में अलर्ट जारी कर दिया है। इसके बाद जिले स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने इस खतरनाक बीमारी से निपटने की तैयारियों को शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इस बीमारी की चपेट में आने से मरीज के शरीर पर असाधारण छाले वाले दाने पड़ जाते हैं। तेज बुखार के साथ तेज दर्द और थकान का महसूस होना भी इसका प्रमुख लक्षण हैं। मंकी पॉक्स अफ्रीका के 13 देशों में फैल चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन इसे लेकर विश्व भर में अलर्ट जारी कर चुका है। इसके बाद से भारत सरकार और राज्य सरकारें सतर्क हो गई हैं।

टीम संपर्क बनाकर रखेगी

उन्होंने बताया इस बीमारी का फिलहाल कोई मामला नहीं है, फिर भी सतर्कता बेहद आवश्यक है। सावधानी से इस बीमारी को दूर किया जा सकता है। सीएमओ ने बताया कि सर्विलांस टीम अस्पतालों के साथ संपर्क बनाकर रखेंगी। मंकीपॉक्स के लक्षण वाले मरीजों के तत्काल सैंपल एकत्र किए जाएंगे और उन्हें लैब में जांच के लिए भेजे जाएंगे। इसके अलावा निगरानी समितियां गांवों में घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगी। मंकीपॉक्स के लक्षण वाले मरीज के बारे में स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर सूचना देने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी किए गए हैं।

बीमारी के ये लक्षण

बीमारी पर नजर रखने के लिए 373 निगरानी समितियों के साथ-साथ 72 सर्विलांस टीम का गठन किया गया है। अस्पतालों में मंकीपॉक्स से संबंधित लक्षण वाले मरीजों के आने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सूचना देने का भी निर्देश जारी किया गया है। सीएमओ डॉक्टर सुनील कुमार त्यागी ने बताया कि इस बीमारी की चपेट में आने से मरीज के शरीर पर असाधारण छाले वाले दाने पड़ जाते हैं। तेज बुखार के साथ तेज दर्द और थकान का महसूस होना भी इसका प्रमुख लक्षण हैं। जिले में संचालित 8 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल, उप स्वास्थ्य केंद्र और पीपीसी को मंकीपॉक्स बीमारी को लेकर अलर्ट कर दिया गया है।

कैसे करें बीमारी से बचाव

मंकी पाक्स के लक्षण को पहचानें और लक्षण वाले व्यक्ति से दूरी बनाएं। सफाई का अधिक ध्यान रखें और हाथों को बार-बार साफ करते रहें। संक्रमित जीवनसाथी के साथ शारीरिक संबंध न बनाएं। अपने चिकित्सक से संपर्क करें और टीकाकरण अवश्य कराएं। लक्षण पाए जाने पर कोरोना काल की तरह ऐहतियात बरतें।

आरक्षण में छेड़छाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं : बसपा

भारत बंद का रहा आंशिक असर, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

मोदीनगर, करंट क्राइम। बहुजन समाज पार्टी के भारत बंद का मोदीनगर में कोई खास असर देखने को नहीं मिला। बता दें कि आरक्षण बचाने की मांग को लेकर बसपा ने भारत बंद की घोषणा की थी। वक्ताओं ने अपने विचार रखे और उपजिलाधिकारी पूजा गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। उपजिलाधिकारी पूजा गुप्ता ने आश्वासन दिया कि वह इस ज्ञापन को सरकार तक पहुंचाने का कार्य करेंगी। इस मौके पर डालचंद गौतम, वरिष्ठ लोकदल कार्यकर्ता विनोद गौतम, हकेन्द्र गौतम, अभिषेक सीकरी, राखी रावण, तरुण कुमार जाटव एडवोकेट, राजेश जाटव, शानुज गौतम, नरेंद्र कुमार, अमित जाटव, अनिल कुमार शिशोदिया, अनिल जाटव, रविंदर जाटव, दिनेश प्रधान, विकास जाटव, आकाशजत्व, आदित्या गौतम, हरेंद्र एड्वोकेट्, निशि कला, भागवत प्रसाद, चरण सिंह, रणवी, अमित, मोनू, मास्टर हसमत, योगेश, योगेंद्र, धीरज, धर्मेन्द्र जाटव, बेदू, कपिल, मनिंदर, धर्मपाल, धर्मवीर हरित, रतन साउंड, सचिन बौद्ध, अरुण, अनिल कुमार, कमल प्रकाश, दयाराम, धर्मप्रकाश, मनोज, अशोक, ताराचन्द, कृष्ण अवतार, अतुल, शीलरत्न, तेजसिंह, आदि बहुत से सम्मानित लोग उपस्तिथ रहे।

गाजियाबाद में थार सवारों ने युवती से की छेड़छाड़

शराब पीकर छेड़खानी भारी पड़ी, थार में तेज म्यूजिक के साथ कस रहे थे फब्तियां

गाजियाबाद,करंट क्राइम। शराब के सुरूर और थार की धमक के साथ तेज आवाज में म्जूजिक बजाकर युवतियों पर बीच बाजार फब्तियां कसना दो रईसजादों को भारी पड़ गया। कविनगर थाना पुलिस ने थार सवार दो मनचलों को हवालात में डालकर थार का बुखार उतार दिया। कविनगर थानाक्षेत्र में दोनों शराब के नशे में मौज-मस्ती करने निकले थे। युवतियों पर फब्तियां कस रहे इन मनचलों की सूचना युवतियों ने पुलिस को दे दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों हो हवालात पहुंचाकर ही दम लिया। बताया जा रहा है कि मनचलों में एक सब-इस्पेक्टर का बेटा है, गंदी हरकत कर रहे बेटे के पिता का ओहदा भी किसी काम न आ सका।

युवती का पीछा भी किया मनचलों ने

थार में सवार दोनों मनचलों ने एक युवती का पीछा किया और फिर उसके साथ छेड़खानी की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। इतना ही नहीं, पुलिस ने वह थार भी सीज कर दी जिसके दम पर दोनों इतने गरमा रहे थे। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कविनगर थाना पुलिस को एक युवती ने सूचना दी थी कि शॉपिंग करने के दौरान मार्केट थार सवार युवक बदतमीजी कर रहे हैं। दोनों युवक शराब के नशे में थे और लगातार कमेंट किए जा रहे थे।

कोल्ड ड्रिक्स की बोतल मारकर युवक का सिर फोड़ा, हालत गंभीर

मुरादनगर, करंट क्राइम। नगर क्षेत्र की चुंगी नम्बर तीन कॉलोनी में मामूली बात को लेकर कोल्ड ड्रिक्स की बोतल मारकर एक युवक का सिर फाड़ दिया। गंभीर हालात में युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नगर की महाजनान कॉलोनी निवासी मुकुल कुमार चुंगी नम्बर तीन पर एक दुकान पर जूस पीने के लिए गया था। वहां पर खडे दो युवकों से मुकुल पर कमेंट कर दिया। इस बात को लेकर कहासुनी हो गई। देखते ही देख्तो विवाद इतना बढ़ा कि युवकों ने कोल्ड ड्रिक्स की बोतल मारकर मुकुल का सिर फोड़ दिया। गंभीर हालात में युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने जीशॉन व याद ईलाही को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है।

एक युवती गायब, एक अन्य में तीन नामजद

मोदीनगर, करंट क्राइम। घर से सामान लेने गयी एक युवती रहस्यमय ढंग से गायब हो गयी, वहीं गांव नाहली से गायब युवती के मामले में भी तीन को नामजद किया गया है। दोनों मामलो में चार लोग नामजद है, जिनकी तलाश पुलिस कर रही हैं। गांव कलछीना निवासी 19 वर्षीय युवती के गायब होने के मामले में उसके पिता की ओर से मेरठ के सौलाना गांव निवासी युवक शाजेब पर शक जाहिर करते हुए नामजद किया गया है। जबकि पुलिस मामले को प्रेम प्रसंग से जुड़ा मानकर चल रही है। वहीं दूसरी घटना गांव नाहली की है। गांव निवासी गायब पुत्री के मामले में गांव के ही भोला उसके बड़े भाई आफिस, सलमान के खिलाफ बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस दोनों मामले में युवतियों को बरामद कर आरोपियों की धरपकड़ के प्रयास में लगी है।

पोलैंड के वारसॉ पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

यूक्रेन में बसे भारतीयों ने पीएम मोदी को था लिखा पत्र, युद्ध समाधान में मांगी थी मदद

विशेष। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण में पोलैंड पहुंचे। इस दौरान वे यूक्रेन की राजधानी कीव भी जाएंगे और यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ विचार साझा करेंगे। पीएम मोदी की यह यात्रा पिछले 45 वर्षों में किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली पोलैंड यात्रा है। पोलैंड में अपने प्रवास के दौरान मोदी राष्ट्रपति आंद्रेज सेबेस्टियन डूडा से मिलेंगे और प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। पीएम मोदी ने कहा, ह्यपोलैंड की मेरी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हमारे राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे हो रहे हैं। पोलैंड मध्य यूरोप में भारत का एक प्रमुख आर्थिक साझेदार है।

इससे पहले दिन में रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा, लोकतंत्र और बहुलवाद के प्रति हमारी आपसी प्रतिबद्धता दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करती है। मैं, हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए अपने मित्र प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क और राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से मिलने के लिये उत्सुक हूं। उन्होंने आगे कहा कि वे पोलैंड में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे।

उधर, पोलैंड में भारत की राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की दो दिवसीय यात्रा के दौरान पोलैंड के नेतृत्व के साथ चर्चा से दोनों पक्षों को विभिन्न विषयों पर शीर्ष स्तरीय विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलेगा। वारसॉ से पीएम मोदी यूक्रेन दौरे पर जाएंगे। 1991 में यूक्रेन के स्वतंत्र होने के बाद किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की कीव की पहली यात्रा होगी। पीएम मोदी ने कहा, पोलैंड से मैं राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के निमंत्रण पर यूक्रेन जाऊंगा। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि एक मित्र और साझेदार के रूप में भारत द्वारा यूक्रेन में शांति और स्थिरता की बहाली की उम्मीद की जाती है।

प्रवासी भारतीयों ने लिखा पत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 23 अगस्त को हो रही यूक्रेन यात्रा से पहले वहां मौजूद भारतीय समुदाय ने उनके नाम खुला पत्र लिखा है। इस पत्र में भारतीय समुदाय ने पीएम मोदी से संकट की इस घड़ी में भारत की ओर से मानवीय मदद के साथ साथ रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने में सहायता की भी अपील की है। यूक्रेन में मौजूद 200 से अधिक भारतीयों के हस्ताक्षर वाली इस खुली चिट्ठी में पीएम मोदी से आग्रह के साथ कहा गया है कि, आपका नेतृत्व और हस्तक्षेप इस युद्ध संकट का सही समाधान निकालने में कारगर हो सकता है। साथ ही इससे मानवीय मूल्यों और लोकतांत्रिक मानकों के लिए भारत का समर्थन भी जाहिर होगा।

भारतीय समुदाय ने पत्र में इस बात का भी उल्लेख किया है कि यूक्रेन की सीमाओं पर चारों तरफ से रूसी सेना के हमले हो रहे हैं। मिसाइल और हवाई हमलों का शिकार केवल सैन्य ठिकाने नहीं होते बल्कि आम नागरिक और बच्चे भी इसमें जान गंवा रहे हैं। इस लड़ाई ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूरोप में अब तक के सबसे बड़ा आंतरिक विस्थापन संकट खड़ा कर दिया है।

हालांकि रूस-यूक्रेन संकट पर संभावित भारतीय शांति प्रस्ताव के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय में पश्चिम मामलों के सचिव तन्मय लाल ने कहा कि भारत सतत रूप से और साफ शब्दों में यह कहता रहा है कि बातचीत व कूटनीति से ही इस विवाद का समाधान संभव है। लिहाजा बातचीत बहुत जरूरी है।

संयुक्त राष्ट्र का आरोप- ईरानी नोबेल विजेता नर्गेस को चिकित्सा देखभाल से वंचित रखा

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को पर नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नर्गेस मोहम्मदी को चिकित्सा देखभाल से वंचित करने का आरोप लगाया। यूएन विशेषज्ञों ने कहा, छह अगस्त को एविन में मोहम्मदी को कथित तौर पर शारीरिक हिंसा का शिकार बनाया गया। बेहोशी के दौरान उनकी पसलियों और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने जेल में टकराव की बात तो स्वीकार कर ली, लेकिन मोहम्मदी पर उकसावे का आरोप लगाया। वहीं, जेल में किसी भी कैदी को पीटे जाने से इन्कार कर दिया।

मानवाधिकार कार्यकर्ता और नोबेल पुरस्कार विजेता 52 वर्षीय नर्गेस मोहम्मदी नवंबर 2021 से तेहरान की एविन जेल में बंद हैं। उन्होंने पिछले एक दशक का समय जेल के अंदर और बाहर बिताया है। उनके परिवार ने अगस्त की शुरूआत में आरोप लगाया था कि जेल में झड़पों के दौरान नर्गेस भी अन्य महिला कैदियों के साथ घायल हो गईं।

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'नर्गेस मोहम्मदी की शारीरिक और मानसिक अखंडता के बारे में हमारी गहरी चिंताओं से ईरानी सरकार को अवगत करा दिया गया है। एक बार फिर हम ईरानी अधिकारियों से उसे तुरंत रिहा करने और अन्य बंदियों के साथ बिना किसी देरी के पूर्ण चिकित्सा देखभाल उपलब्ध कराने का आह्वान करते हैं।'

यूएन विशेषज्ञों का कहना है कि चिकित्सा विशेषज्ञों और स्कैन परीक्षाओं के अनुसार, पिछले आठ महीनों से मोहम्मदी तीव्र पीठ और घुटने के दर्द से पीड़ित थीं, जिसमें हर्नियेटेड स्पाइनल डिस्क भी शामिल थी। उन्होंने कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि चिकित्सा देखभाल से इन्कार जेल के अंदर मोहम्मदी को दंडित करने और चुप कराने के लिए किया गया था। ये रिपोर्ट उसके स्वास्थ्य और शारीरिक कल्याण के अधिकार के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं।' यूएन विशेषज्ञों के पैनल ने 'मानवाधिकार रक्षकों और ईरानी हिरासत सुविधाओं में अन्य सभी व्यक्तियों की तत्काल रिहाई के लिए अपने आह्वान को दोहराया, जिन्हें वर्तमान में मनमाने ढंग से रखा जा रहा है।'

वहीं, मोहम्मदी ने सलाखों के पीछे अभियान जारी रखा है और सितंबर 2022 में महसा अमिनी की हिरासत में मौत के बाद पूरे ईरान में भड़के विरोध प्रदर्शनों का पुरजोर समर्थन किया है।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति ने ईस्टर बम विस्फोट पीड़ितों को दिया 10 करोड़ का मुआवजा

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने साल 2019 के ईस्टर बम विस्फोट के पीड़ितों के लिए 10 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का मुआवजा दिया है। ईस्टर बम विस्फोट कांड में 270 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में 11 भारतीय भी शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था मुआवजा देने का आदेश

जिस वक्त बम धमाके हुए, उस वक्त सिरिसेना ही श्रीलंका के राष्ट्रपति थे। सिरिसेना पर आरोप है कि हमले से पहले ही सिरिसेना को आतंकी हमले की विश्वसनीय सूचना मिली थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने हमले को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

बीते दिनों श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि सिरिसेना अपनी लापवाही के लिए बतौर मुआवजा पीड़ितों को 10 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का भुगतान करेंगे। अब सिरिसेना के वकील ने कोर्ट को बताया कि बीती 16 अगस्त को 10 करोड़ रुपये की पूरी पेमेंट कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि साल 2019 में ईस्टर के मौके पर एक कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन से जुड़े 9 आत्मघाती हमलावरों ने श्रीलंका के कैथोलिक चर्चों और होटल्स में खुद को विस्फोट से उड़ा लिया था। जांच में इस हमले के पीछे आईएसआईएस से जुड़े नेशनल तौहीद जमात का नाम सामने आया था। इन हमलों में 270 लोगों की मौत हुई थी और 500 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

हमला रोकने में नाकाम रहने के लगे थे आरोप : बम विस्फोट के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना और तत्कालीन प्रधानमंत्री रानिल विक्रमासिंघे आलोचकों के निशाने पर आ गए थे और उनकी सरकार पर अक्षमता के आरोप लगे। उन पर खुफिया जानकारी होने के बावजूद हमले न रोक पाने का आरोप लगा। सिरिसेना ने एक हमलों के बाद एक समिति का गठन कर हमलों की वजह पता लगाने की जिम्मेदारी दी थी, लेकिन उस समिति ने सिरिसेना को ही हमलों के लिए जिम्मेदार ठहराया। इसके खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर हुई और कोर्ट ने अपने आदेश में सिरिसेना को पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश दिया। सिरिसेना ने जुलाई के मध्य में अदालत को बताया

बराक ओबामा का पूर्व राष्ट्रपति पर बड़ा हमला -

'ट्रंप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सत्ता पाना चाहते हैं'

वाशिंगटन। अमेरिका के शिकागो में डेमोक्रेटिक पार्टी का नेशनल कन्वेंशन (डीएनसी) चल रहा है। इस कन्वेंशन के दौरान पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा ने भी संबोधित किया। इस दौरान मिशेल ओबामा ने ट्रंप पर तीखा हमला बोला और कमला हैरिस का जोरदार समर्थन किया। मिशेल ओबामा ने कहा कि अमेरिकी होने का मतलब क्या है, इस पर किसी का एकाधिकार नहीं है। मिशेल ओबामा ने कहा कि कमला हैरिस अब तक की सबसे शिक्षित राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं।

डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन के दौरान अपने संबोधन में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डोनाल्ड ट्रंप को आड़े हाथों लिया। ओबामा ने कहा कि ट्रंप सत्ता को अपने उद्देश्यों की पूर्ति के साधन से ज्यादा कुछ नहीं मानते। हम नहीं चाहते कि ट्रंप जीतें और फिर से अराजकता के चार साल देखने को मिलें। हमने अक्सर फिल्मों में भी देखा है कि सीक्वल फिल्में ज्यादातर खराब होती हैं।

ओबामा ने कहा कि नवंबर में होने वाला चुनाव एक करीबी लड़ाई होगी और हमें लापरवाह नहीं होना चाहिए क्योंकि देश बंटा हुआ है और काफी अमेरिकी लोग अभी भी सरकार से नाराज हैं। ओबामा ने कमला हैरिस और उप-राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज की तारीफ की। जो बाइडन की तारीफ करते हुए बराक ओबामा ने कहा कि यह देश उन्हें एक शानदार राष्ट्रपति के तौर पर याद रखेगा, जिसने एक बड़े खतरे के समय लोकतंत्र को बचाया।

बाइडन ने कमला हैरिस को बताया भविष्य

राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन को संबोधित किया। इस दौरान कन्वेंशन में मौजूद लोगों ने खड़े होकर बाइडन का अभिवादन किया।

बाइडन ने कहा कि 'अमेरिका में राजनीतिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। आप जब जीतते हैं तभी ये नहीं कह सकते कि आप आपने देश को प्यार करते हैं। लोकतंत्र को बचाया जाना चाहिए।

गूगल पर बिना इजाजत यूजर्स का निजी डाटा एकत्र करने का आरोप

न्यूयॉर्क। अमेरिका की एक अपीलीय अदालत ने मंगलवार को अपने फैसले में कहा कि गूगल को एक नए मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। आरोप है कि उसने गूगल क्रोम उपयोगकताओं (यूजर्स) की निजी जानकारी बिना उनकी अनुमति के एकत्र की। ये उपयोगकर्ता चाहते थे कि उनका ब्राउजर उनके गूगल खाते से जुड़ा न हो।

सैन फ्रांसिस्को की सर्किट अदालत ने कहा कि निचली अदालत के न्यायाधीश को यह जांच करने के लिए कहना चाहिए था कि क्या गूगल क्रोम यूजर्स ने ऑनलाइन ब्राउज करते समय गूगल को अपना डाटा एकत्र करने की अनुमति दी थी।

पिछले साल गूगल ने एक मुकदमे से निपटने के लिए अरबों डाटा को नष्ट करने के लिए समझौता किया। इस मुकदमे दावा किया गया था कि अल्फाबेट की इकाई ने उन यूजर्स को ट्रैक किया, जो गोपनीय मोड में ब्राउज कर रहे थे। इसमें गूगल क्रोम में इनकोग्निटो मोड भी शामिल है। उसके बाद अब मंगलवार को अदालत का 3-0 का फैसला आया है।

गूगल और उनके वकीलों ने अदालत के फैसले पर अभी कोई टिप्पणी नहीं दी है। यूजर्स के वकील मैथ्यू वेसलर ने कहा कि वे फैसले से संतुष्ट हैं और अब मुकदमे की सुनवाई का इंतजार कर रहे हैं।

यूक्रेन ने मॉस्को पर किया अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला, 45 यूएवी मार गिराए

मास्को। रूस-यूक्रेन युद्ध ढाई साल से अधिक समय से जारी है। दोनों में से कोई भी देश पीछे हटने को तैयार नहीं है। अब यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। रूसी रक्षा बल के अधिकारियों का आरोप है कि उन्होंने रूस की राजधानी मॉस्को क्षेत्र में 11 ड्रोन को नष्ट किया। जबकि पूरे देश में रातभर में 45 ड्रोन को मार गिराया गया।

अधिकारियों के मुताबिक रूसी क्षेत्र में नष्ट किए गए 45 ड्रोन में 11 मॉस्को, ब्रायंस्क के सीमावर्ती इलाके में 23, बेलगोरोद क्षेत्र में छह, कलुगा में तीन और कुर्स्क क्षेत्र में दो ड्रोन नष्ट किए गए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि पोडोल्स्क शहर के ऊपर कुछ ड्रोन को नष्ट किया गया।

यह मॉस्को पर हमला करने का अब तक का सबसे बड़ा प्रयास है। उन्होंने कहा कि मॉस्को की सुरक्षा प्रणाली के चलते ड्रोन हमलों को सफलतापूर्वक विफल किया जा सका।

उन्होंने कहा कि हमलों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। वहीं रूसी मीडिया ने मॉस्को क्षेत्र में सुबह-सुबह ड्रोन उड़ने और रूसी रक्षा बल द्वारा उनको नष्ट करने के बाद आग के गोले बनने का फुटेज भी दिखाया। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ड्रोन हमलों के चलते मॉस्को के वानुकोवा, डोमोडेडोवा और झुकोवस्की हवाई अड्डे से चार घंटे तक उड़ानें प्रभावित रहीं। बता दें कि छह अगस्त को मॉस्को ने कीव पर हमले में पश्चिमी रॉकेटों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। उसका कहना था कि कुर्स्क क्षेत्र में सेयम नदी पर बने पुल को पश्चिमी हथियारों से निशाना बनाया गया।

हिंसा के बाद बांग्लादेश के पर्यटन उद्योग को बड़ा नुकसान, नहीं आ रहे मेहमान

ढाका। बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद हुई हिंसा से देश के पर्यटन उद्योग को बड़ा नुकसान हुआ है। पिछले एक महीने से मेहमान न आने के चलते होटलों में कमरे खाली पड़े हैं। पर्यटन उद्योग से जुड़े कर्मचारियों का बुरा हाल है।

ढाका में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय होटल हैं। देश की राजधानी होने के चलते यहां व्यापार और पर्यटन के लिए मेहमान आते रहते हैं। मगर हिंसा के चलते बीते एक महीने से देश का पर्यटन उद्योग बड़ा नुकसान झेल रहा है। होटल के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक सबसे ज्यादा स्थिति जुलाई से खराब होनी शुरू हुई। जब लगातार बुकिंग रद्द होने लगीं।

एक पांच सितारा होटल के प्रबंधक ने बताया कि जुलाई में बड़े पैमाने पर बुकिंग रद्द हुईं। इससे 1.2-1.3 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अगस्त के पहले सप्ताह में ही 35 लाख का नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि जब राजधानी में स्थिति बिगड़ने लगी तो हमने महिला स्टाफ को होटल आने से मना कर दिया था। जबकि पुरुष स्टाफ के होटल में ही रुकने की व्यवस्था की गई। जब हसीना सरकार गिरी उस दिन होटल में जर्मनी, रूसी, स्विट्जरलैंड, भारत समेत बांग्लादेश के मेहमान रुके थे।

उन्होंने कहा कि हमने होटल को सील किया और किसी को भी अंदर या बाहर आने की अनुमति नहीं दी। प्रदर्शनकारियों ने हमारे होटल के सामने मार्च किया, लेकिन हमारी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ। एक अन्य होटल के स्टाफ ने बताया कि देश में हिंसा के चलते पर्यटन और होटल उद्योग की स्थिति बेहतर नहीं है।

एमपॉक्स के तेज फैलाव ने बढ़ाई चिंता डब्ल्यूएचओ ने घोषित की स्वास्थ्य आपदा

संरा.। अफ्रीका में एमपॉक्स वायरस के तेज फैलाव को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) ने इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा घोषित किया है। मगर एमपॉक्स क्या है, यह मूल रूप से कहां से फैली और दुनिया इस खतरे का मुकाबला किस तरह कर सकती है? इसे लेकर एडवाइजरी जारी की गई है। एमपॉक्स के फैलाव ने कोविड-19 और एचआईवी संक्रमण के शुरूआती दिनों जैसा डर भी उत्पन्न कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के यूरोप में क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर हैंस क्लूगे ने मंगलवार को इन चिन्ताओं को खारिज कर दिया। उन्होंने इसके बारे में अहम जानकारी दी।

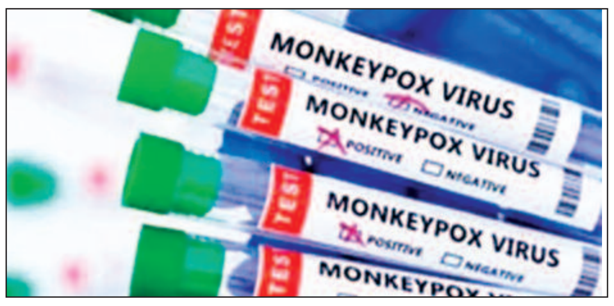

एमपॉक्स 1958 में सामने आया। जब प्रयोगशाला के कई बंदरों में इस वायरस के होने की पुष्टि हुई। यह एक जूनोटिक वायरल रोग है। यह जानवरों से मनुष्यों में फैल सकता है और इंसान से इंसान में भी इसका प्रसार हो सकता है। मानव एमपॉक्स की पहचान पहली बार 1970 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (ऊब्ळ) में एक नौ महीने के लड़के में हुई थी।

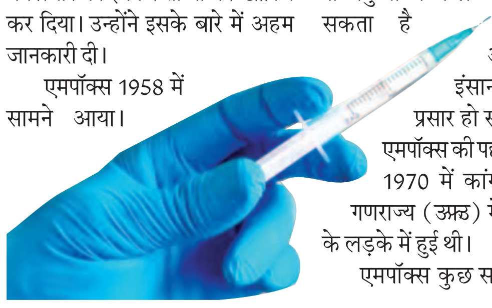

एमपॉक्स कुछ साल पहले मध्य और पश्चिम अफ्रीका में एक स्थानीय बीमारी थी, मगर वर्ष 2022 में इसने एक वैश्विक संक्रमण फैलाव किया। इसके बाद हल्ड को एमपॉक्स को जुलाई में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा घोषित करना पड़ा। एमपॉक्स के रोगियों में पहले देखे गए लक्षण चेचक के समान होते हैं। लेकिन यह चिकित्सकीय रूप से कम गंभीर है। 2003 में अफ्रीका के बाहर एमपॉक्स का पहला मामला अमेरिका में दर्ज किया गया था और इसे संक्रमित पालतू प्रैरी कुत्तों संपर्क से जोड़ा गया था।

युद्ध विराम के बीच इस्राइल ने गाजा से छह बंधकों के शव किए बरामद, वार्ता प्रभावित होने की आशंका बढ़ी

गाजा। युद्ध विराम के अमेरिकी प्रयासों के बीच इस्राइली सैनिकों ने हमास के विशाल सुरंग नेटवर्क में एक अभियान चलाकर गाजा से छह बंधकों के शव बरामद किए हैं। ये उन लोगों में शामिल थे, जिन्हें आतंकी संगठन हमास ने पिछले साल सात अक्तूबर को इस्राइल पर हमले के दौरान बंधक बना लिया था। छह बंधकों के शव की बरामदगी ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका, मिस्र और कतर, इस्राइल-हमास के बीच संघर्ष विराम समझौते के प्रयास में जुटे हैं। इस नवीन घटनाक्रम से संघर्ष विराम वार्ता के प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है।

हमास और इस्राइल, दोनों के लिए झटका

शवों का बरामद होना हमास के लिए भी एक झटका है, जो बंधकों के बदले फलस्तीनी कैदियों को रिहा कराना, इस्राइली सैनिकों की गाजा से वापसी तथा दीर्घकालिक संघर्ष विराम की उम्मीद रखता है। इससे इस्राइल सरकार पर भी समझौते पर पहुंचने का दबाव पड़ने की संभावना है। इस्राइल भी चाहेगा कि जिंदा बचे बंधकों को जल्द से जल्द छुड़ाया जाए।

इस्राइली सेना ने एक बयान में कहा, सैनिकों ने दक्षिण गाजा में सोमवार रात अभियान के दौरान छह बंधकों के शव बरामद किए। हालांकि उनकी मौत कब और कैसे हुई, इसकी जानकारी नहीं दी गई। बंधकों के परिवारों ने कहा है कि उन्हें जिंदा बंधक बनाया गया था। दूसरी तरफ, हमास ने कहा कि कुछ बंधक इस्राइली हवाई हमले में हताहत हुए हैं। सेना के मुताबिक, मृत बंधकों की पहचान काइम पेरी (80), योरम मेट्जेगर (80), अवराहम मंडर (79), एलेक्जेंडर डेनसिग (76), नदाव पोपलवेल (51) व यागेव बुश्ताव (35) के रूप में हुई। मेट्जेगर, मंडर, पोपलवेल व बुश्ताव उस परिवार में शामिल थे, जिसके सदस्यों का अपहरण किया गया था। हालांकि, नवंबर में हुए संघर्ष विराम के दौरान उन्हें छोड़ दिया गया था। मंगलवार को किबुत्ज नीर ओज नामक कृषक समुदाय ने मंडर की मौत की पुष्टि की। ओज ने कहा कि मंडर की मौत कई महीनों तक शारीरिक व मानसिक यातना सहने के बाद हुई।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बचाव प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, इस भयानक नुकसान के लिए हमारा मन दुखी है। इस्राइल अपने सभी जीवित व मृत बंधकों को वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास जारी रखेगा। इस्राइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि यह अभियान हमास के विशाल सुरंग नेटवर्क के अंदर चलाया गया था। अभियान में फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

एक तिहाई बंधकों की हो चुकी है मौत

माना जाता है कि सात अक्तूबर के हमले के बाद हमास ने बड़ी संख्या में इस्राइली व विदेशी लोगों को बंधक बना लिया था।

बाद में हमास ने कुछ लोगों को छोड़ दिया, जबकि कुछ को इस्राइल ने छुड़ा लिया था। हालांकि, अब भी उसके पास करीब 110 लोग बंधक हैं। इजराइली अधिकारियों का अनुमान है कि इनमें से करीब एक तिहाई बंधकों की मौत हो चुकी है।

अब एक एप पर मिलेंगे दिल्ली मेट्रो-नमो भारत ट्रेनों के टिकट

एनसीआरटीसी और डीएमआरसी में करार

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने अपनी टिकटिंग प्रणालियों को एकीकृत करने के लिए बुधवार को एक एम ओ यू पर साइन किए। यात्रियों को अब दिल्ली मेट्रो और नमो भारत ट्रेनों में सफर करने के लिए एक ही एप पर दोनों सुविधाएं मिलेंगी। एनसीआरटीसी के एमडी शलभ गोयल और डीएमआरसी के एमडी डॉ. विकास कुमार की उपस्थिति में एमओयू फाइनल हुआ। इसके तहत फिलहाल गाजियाबाद में साहिबाबाद स्टेशन से मेरठ के साउथ स्टेशन तक नमो भारत ट्रेनों में सफर करने वाले यात्री एनसीआरटीसी कनेक्ट एप से दिल्ली मेट्रो का भी टिकट प्राप्त कर सकते हैं। इसी तरह दिल्ली मेट्रो की एप डीएमआरसी पर नमो भारत ट्रेनों के टिकट पा सकेंगे। मतलब दोनों एप पर एक-दूसरे की ट्रेनों के टिकट क्यूआर कोड़ उपलब्ध हो सकेंगे। ऐसा इसलिए किया गया है, ताकि जब यात्री ट्रेन बदले तो उसको टिकट खरीदने में एक्सट्रा टाइम खर्च न करना पड़े।

बता दें कि नमो भारत ट्रेन का ट्रैक दिल्ली से मेरठ तक 82 किलोमीटर लंबा है। हालांकि फिलहाल ये ट्रेनें गाजियाबाद के साहिबाबाद स्टेशन से मेरठ साउथ स्टेशन तक चलाई जा रही हैं, जिसकी दूरी 42 किलोमीटर है। जून-2025 तक पूरा ट्रैक शुरू हो जाएगा। एनसीआरटीसी प्रवक्ता पुनीत वत्स ने कहा- ये पहल पीएम राष्ट्रीय गति शक्ति मास्टर प्लान के तहत हुई है। इस प्लान में सभी परिवहन साधनों को आपस में जोड़ने की तैयारी है, ताकि यात्रियों को कोई दिक्कत न हो।

कोलकाता रेप केस को लेकर वसुंधरा में निकाला कैंडल मार्च

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में अस्पताल में काम कर रही मेडिकल स्टूडेंट के साथ हुई दरिंदगी की घटना के विरोध में वसुंधरा सेक्टर-1 आरडब्ल्यूए ने कैंडल निकाला। लोगों ने इंसाफ के नारे लगाए, प्रदर्शन के बाद यह सभी लोग कैंडल हाथ में लेकर खड़े हो गए और बात करते हुए बड़े भावुक नजर आए। लोगों ने कहा कि निर्मम हत्या की शिकार हुई जूनियर डॉक्टर के लिए न्याय की मांग एवं दोषियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। मार्च में सभी कॉलोनीवासी (महिलाएं, पुरुष और बच्चे) सम्मिलित थे, ताकि सरकार महिला सुरक्षा के लिए कदम उठाए एवं सेंट्रल प्रोटेक्शन ऐक्ट लागू किया जाए और इस तरह की वीभत्स घटनाएं रोकी जा सकें। हम सबको मिलकर सामाजिक एकता का यह संदेश हर अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना है। इस अवसर पर सुषमा नागर, अनिता झा, राजकुमारी पटेल, प्रीति माथुर, धर्मवीर, अमित, अरुण, पंकज जिंदल, हरीश, आर एस पटेल आदि लोग मौजूद रहे।

भारत बंद के दौरान नोएडा पुलिस का पैदल मार्च

देर शाम तक बार्डर और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस मुस्तैद

नोएडा। सुप्रीम कोर्ट के एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर के फैसले के खिलाफ देश भर के विभिन्न संगठनों ने आज भारत बंद का आह्वान किया गया है। नोएडा पुलिस ने सुरक्षा के शहर से लेकर बॉर्डर तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इस मौके पर जॉइंट पुलिस कमिश्नर शिव हरी मीणा ने पुलिस टीम के साथ कर पैदल मार्च निकाला जनता से अपील की है कि वे शांत रहें और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

इन बाजारों में निकाला गया पैदल मार्च : जॉइंट पुलिस कमिश्नर शिव हरी मीणा खुद नोएडा के थाना प्रभारियों के साथ सेक्टर 18, सावित्री मार्किट,18 मेट्रो स्टेशन, बोटेनिकल मेट्रो स्टेशन, अट्टा मार्केट पर भारी फोर्स के साथ आए नजर आये। भारत बंद के मद्दे नजर भारी पुलिस बल के साथ नोएडा के भीड़भाड़ वाले बाजारों में पैदल गश्त कर रहे है।

जॉइंट कमिश्नर ने बताया कि भारत बंद के लिए जिन दलों ने आह्वान किया है उनके पदाधिकारी और कार्यकर्ता स्तर पर वार्ता की गई है। इसके अलावा असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। मार्च के दौरान मौके पर मौजूद जॉइंट कमिश्नर शिव हरी मीणा व डीसीपी राम बदन सिंह मार्च के दौरान मौके पर मौजूद जॉइंट कमिश्नर शिव हरी मीणा व डीसीपी राम बदन सिंह उन्होंने बताया कि देर शाम तक सभी जगह पुलिस बल को अलर्ट पर रखा गया है। संभावित प्रदर्शनकारी क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस तैनात की गई है। संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाई गई है। बस स्टैंड और अन्य प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा बल तैनात है। सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए तैयारी की है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष दल तैनात किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे शांत रहें और किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

नोएडा में नहीं दिखा असर : हालांकि भारत बंद का नोएडा में अब तक कोई असर नहीं दिखा। शहर के सभी प्रमुख बाजार समय से खुले। यहां खरीदारों की भीड़ रही। व्यापारियों के संघ ने पहले ही भारत बंद का समर्थन नहीं करने का फैसला लिया था।

वेव सिटी गेट पर किसानों का धरना, बिल्डरों पर गंभीर आरोप

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। थाना वेव सिटी क्षेत्र के वेव सिटी गेट पर बुधवार को किसानों ने ट्रैक्टरों और महिलाओं के साथ व्यापक धरना प्रदर्शन किया। किसानों का विरोध 2005 से जारी भूमि समझौते को लेकर है, जिसमें 2013-14 के समझौते के तहत 8 प्रतिशत विकसित भूखंड प्रदान किए जाने की बात की गई थी, जिसे अभी तक पूरा नहीं किया गया है।

धरना स्थल पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के अपर सचिव प्रदीप कुमार, उप जिलाधिकारी अरुण दीक्षित और पुलिस बल के साथ पहुंचे। जीडीए अपर सचिव ने किसानों को आश्वासन दिया कि वे बिल्डर से वार्ता करेंगे और समस्या का समाधान जल्द निकालने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों और बिल्डर के बीच बातचीत की जाएगी और इस मामले को सुलझाने के लिए लगभग 22 दिन का समय दिया गया है।

सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा, उप जिलाधिकारी सख्त

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। थाना मसूरी क्षेत्र के ग्राम कल्लूगढ़ी में खसरा नंबर 1460, 1468, 1473 और 1510 पर कुछ लोग अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। रविवार को छुट्टी का फायदा उठाते हुए इन लोगों ने सरकारी भूमि पर कब्जा करने की कोशिश की। यह मामला पहले भी प्रशासन के संज्ञान में आ चुका है। उप जिला अधिकारी अरुण दीक्षित ने मामले का तुरंत संज्ञान लेते हुए थाना मसूरी पुलिस बल के साथ अपनी टीम को मौके पर भेजा। पुलिस टीम ने पहुंचकर अवैध कब्जे की कोशिश को रोका और संबंधित लोगों को चेतावनी दी कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध कार्य सहन नहीं किया जाएगा। उपजिला अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सरकारी संपत्तियों पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब देखना यह है कि क्या संबंधित लोग आगे से सरकारी भूमि पर कब्जा करने की कोशिश करते हैं या नहीं। इस मामले पर प्रशासन की नजर बनी रहेगी और अवैध कब्जे की स्थिति को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया पर अर्धनग्न महिला का वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में एक महिला अर्धनग्न अवस्था में सड़क पर बैठी हुई है और इंसाफ की गुहार लगा रही है। इस वीडियो को लेकर थाना वेव सिटी ने गंभीरता से संज्ञान लिया और मामले की जांच शुरू की। पुलिस की जांच में यह सामने आया कि यह मामला चौकी क्षेत्र लालकुआं का है। वीडियो में महिला द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों की पुष्टि के लिए पुलिस ने व्यापक कार्रवाई की। महिला से बातचीत के बाद और अन्य साधनों की मदद से उसके घर का पता लगाया गया। परिवार से संपर्क करने पर पता चला कि महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त है और पूर्व में भी हरिद्वार, रूड़की जैसे स्थानों पर अचानक घर से चली जाती थी। सहायक पुलिस आयुक्त पूनम मिश्रा ने बताया कि महिला के परिवारी जनों की उपस्थिति के बाद उसे उनके सुपुर्द किया जाएगा।

कुसुम गोयल डॉ. संतोष सरस्वती विद्या मंदिर में 10वीं और 12वीं के मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कुसुम गोयल डॉ. संतोष सरस्वती विद्या मंदिर, राजनगर, गाजियाबाद में पूर्व छात्र परिषद ने कक्षा 12वीं तथा 10वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया। पूर्व छात्रों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य पंकज कुमार ने कराया। इस मौके पर पूर्व छात्र परिषद जिला संयोजक विपिन यादव, सहसंयोजक विक्रम विद्यालय की पूर्व छात्र परिषद संयोजक एकलव्य बैसला, सहसंयोजक सचिन गुप्ता (सीए), अभिषेक, पूर्व छात्र परिषद के प्रमुख सुभाष चंद सैनी तथा विद्यालय के समस्त आचार्य एवं छात्र उपस्थित रहे।

रक्षा मंत्रालय की खाली जमीन पर हैं असमाजिक तत्वों का डेरा : आरडी शर्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामदत्त शर्मा ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर जानकारी दी कि एनडीआरएफ के सामने गोविंदपुरम में रक्षा मंत्रालय के खाली पड़े प्लाट में असामाजिक तत्वों ने डेरा बना लिया है। इसी खाली पड़े प्लाट में सुबह-शाम शहर के नौजवान बेटे-बेटियां फिजिकल की तैयारी के लिए दौड़ लगाते हैं। आम जनता से महिला व पुरुष भी यहां पर वॉकिंग करने आते हैं। जिस तरह का माहौल इस प्लांट में होता जा रहा है, कभी भी कोई अप्रिय घटना का घट जाना ताज्जुब नहीं होगा। शहर की महत्वपूर्ण जगह पर इस तरह की गतिविधियों का होना पुलिस महकमे पर भी सवाल उठाता है। इस प्लांट के आसपास पीसीआर वैन की व्यवस्था कराकर सुरक्षा का इंतजाम करने की जरूरत है, जिससे यहां किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके। एक सामाजिक कार्यकर्ता और जिम्मेदार नागरिक होने के नाते मैंने आपको सूचना दी है, इस पर कार्यवाही करना आपकी जिम्मेदारी है।

ईडी अफसर ने ट्रेन से कटकर दी जान

तीन दिन बाद पुलिस को चला पता- मरने वाले ईडी में पोस्टेड थे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी आलोक रंजन ने गाजियाबाद में ट्रेन से कटकर जान दे दी। ये घटना 18 अगस्त को हुई, लेकिन परिजनों ने ईडी अधिकारी होने की बात छिपा ली। इस वजह से तीन दिन तक इस सुसाइड की किसी को कोई जानकारी नहीं हुई। माना जा रहा है कि वो एक सीबीआई जांच में घिरे थे, संभवतः इसी वजह से उन्होंने ये आत्मघाती कदम उठाया होगा।

18 अगस्त को गौशाला फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर मिला शव

गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र में गौशाला रेलवे फाटक है। यहां रेलवे ट्रैक पर 18 अगस्त को एक व्यक्ति की लाश बरामद हुई। जेब में ड्राइविंग लाइसेंस और एक पर्ची रखी मिली। पर्ची पर आलोक रंजन नाम लिखा हुआ था। एड्रेस गाजियाबाद के राजनगर स्थित सोसाइटी का लिखा हुआ था। इस आधार पर परिजनों को सूचना भिजवाई। वो आए और शव की पहचान कर ली। 19 अगस्त को शव का पोस्टमार्टम हुआ और वे शव को लेकर चले गए। उन्होंने आलोक रंजन की न तो प्रोफाइल पुलिस को बताई और न ही मौत की वजह स्पष्ट की। जीआरपी ने भी इसे सामान्य सुसाइड केस माना।

परिजनों ने घटना के वक्त पुलिस से छिपाई जानकारी

21 अगस्त को पता चला कि ईडी के प्रवर्तन अधिकारी आलोक रंजन ने गाजियाबाद में सुसाइड कर लिया है। शुरूआती जानकारी में पता चला कि वो साहिबाबाद स्टेशन के पास ट्रेन से कट गए हैं। इस सूचना पर साहिबाबाद एसीपी रजनीश उपाध्याय भी जांच में जुट गए। उन्होंने थाना पुलिस के अलावा जीआरपी और आरपीफ को फोन किया। पता चला कि साहिबाबाद एरिया में ट्रेन रन ओवर की कोई घटना नहीं हुई है। देर शाम जाकर पता चला कि ये हादसा गौशाला फाटक के पास हुआ था।

आलोक रंजन एऊमें अधिकारी थे, ये बात परिजनों ने उसी वक्त को नहीं बताई। संभवतः तीन दिन तक इसी वजह से ये मामला छिपा रहा। जब ईडी मुख्यालय दिल्ली तक आलोक रंजन के सुसाइड करने की बात पहुंची, तब ये घटनाक्रम सार्वजनिक हुआ।

यौन अपराधों पर लगाम लगाने के लिए उठाने होंगे कड़े कदम : नमिता भल्ला

नमिता भल्ला (राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रखर फाउंडेशन)

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कोलकाता रेप-मर्डर कांड ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है। मेरा मानना है कि अब मोमबत्तियां जलाने का वक्त गया, यह वक्त सख्त कार्रवाई का है। रक्षा बंधन के पवित्र त्योहार से पहले इतनी दर्दनाक घटना का होना कष्टदायक है। समाज के इस बदलते ताने-बाने में किसकी जवाबदेही है कि इस तरह की घटनाएं फिर न हों। वर्ष 2012 के निर्भया कांड ने जिस तरह देश को आक्रोश और क्षोभ से भर दिया था। वही काम कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज की एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या ने किया। निर्भया कांड के बाद जस्टिस जेएस वर्मा की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई, जिसने महिलाओं के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों के दोषियों को समय रहते कठोर सजा देने के लिए आपराधिक कानूनों में संशोधन के सुझाव दिए। इन सुझावों के अनुरूप कानूनों को सचमुच कठोर बनाया गया और कुछ राज्य सरकारों ने तो बच्चियों और किशोरियों के दुष्कर्मियों को फांसी की सजा के भी प्रविधान बनाए। कई दुष्कर्मियों को फांसी की सजा सुनाई भी गई। फिर भी समाज में परिवर्तन नहीं, कुछ नए उपाय खोजने होंगे। मेरा मानना है कि जब तक महिलाओं के प्रति पुरुष मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक स्थिति बदलने वाली नहीं। स्थिति बदलने के लिए भावी पीढ़ी को नैतिकता, संस्कार, सदाचार संग लैंगिक समानता की शिक्षा देनी होगी।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

me 20 Aug
to currentcrimenews

राखी की पर्व पर नोएडा से मुखिया मोहित की धर्म पत्नी नैन्सी अपने मायके मुरादाबाद मैं अपने परिवार के साथ .

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। ये पर्व ही है जो सनातन संस्कृति में रिश्तों की डोर को मजबूत करते हैं। ये रक्षा का बंधन भी है और खुशियों को साझा करने की एक घड़ी भी है। मुखिया मोहित की धर्म पत्नी नैंसी अपने मायके मुरादाबाद में अपने परिवार के साथ है और राखी का पर्व है। इस पल को फेसबुक पर साझा किया है और यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।